■ श्रावण शुक्ल - 15 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 18 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 09-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने' जैसा है राहुल का दावा : भाजपा

6 एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

7 विदेशी सामान खरीदने की कीमत देश आतंकवाद के रूप में चुकाता है : आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति ने दी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा एवं उनके सम्मान के ''हमारे संकल्प'' को मजबूत करता है। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार भाई-बहन के बीच प्रेम और विश्वास के अनूठे बंधन का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा, यह त्योहार समाज में सद्भाव और एकता की भावना को बढ़ावा देता है। यह अवसर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को संरक्षित करने का भी अवसर है। यह त्योहार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान के हमारे संकल्प को मजबूत करता है। उन्होंने सभी से एक समृद्ध देश के निर्माण का संकल्प लेने को कहा, जहां हर महिला सुरक्षित महसूस करे और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सके।

बलूचिस्तान में 31 तक मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं निलंबित

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात सुरक्षा कारणों से मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं 31 अगस्त तक निलंबित कर दी गई हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकारी पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) के एक अधिकारी ने जियो न्यूज को बताया कि बलूचिस्तान सरकार के अनुरोध पर मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गई हैं। बलूचिस्तान के गृह विभाग ने छह अगस्त को जारी एक अधिसूचना में कहा कि प्रांत में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए 31 अगस्त तक इंटरनेट सेवाओं को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया जाता है।

जर्मनी ने गाजा में इस्तेमाल हो सकने वाले सैन्य साजो-सामान के निर्यात को निलंबित किया

बर्लिन/एपी। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश गाजा में इस्तेमाल किए जा सकने वाले किसी भी सैन्य साजो-सामान के निर्यात को ''अगली सूचना तक'' अधिकृत नहीं करेगा। जर्मनी दशकों से इजराइल का समर्थक रहा है। एक बयान में, मर्ज ने कहा कि इजराइल को ''हमास के आतंक से अपनी रक्षा करने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि इजराइली बंधकों की रिहाई और 22 महीने से जारी संघर्ष में युद्धविराम के लिए ''उद्देश्यपूर्ण'' वार्ता ''हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गाजा के भविष्य में हमास की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

घुसपैठियों को वोट का अधिकार नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर आपत्ति जताने के लिए विपक्ष की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतामढ़ी (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने को लेकर विपक्षी दलों की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि घुसपैठियों को ''वोट देने का कोई अधिकार नहीं है।

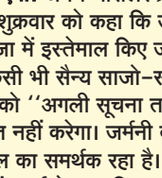

शाह ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य में एसआईआर कवायद पर राजनीति कर रहे हैं।

सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने चाहिए। उन्हें वोट देने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन बिहार में राजद और कांग्रेस एसआईआर का विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि लोकसभा चुनाव में बेंगलूरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी की गई, जबकि यह सीट भाजपा ने 32,707 मतों के अंतर से जीती। उन्होंने कहा, महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की जांच की, जहां 1,00,250 वोट चोरी किए गए, 11,965 'डुप्लीकेट' मतदाता बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ, 10,452 मतदाताओं को एक ही पते पर पंजीकृत किया गया, 4,132 मतदाता फर्जी फोटो के साथ सूची में जोड़े गए तथा 33,692 नए मतदाता फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए।

ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्षी दलों के रुख पर शाह ने दावा किया कि संप्रग शासन के दौरान भारत में आतंकवादी हमले अकसर होते थे। उन्होंने कहा, लेकिन अब नरेन्द्र मोदी जी के शासन में भारत अलग है।

सैफ अली खान के परिवार के संपत्ति विवाद में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह खान की शाही संपत्ति से जुड़े दशकों पुराने संपत्ति विवाद को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया गया था। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल चंदुरकर की पीठ ने नवाब हमीदुल्लाह खान के बड़े भाई के वंशजों उमर फारूक अली और राशिद अली की याचिका पर नोटिस जारी किया, जो उच्च न्यायालय के 30 जून के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

चुनाव आयोग को राहुल का जवाब

'मैंने संविधान की शपथ ली है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने या माफी मांगने के लिए कहे जाने के बाद शुक्रवार को कहा कि उन्होंने संसद के भीतर संविधान की शपथ ली है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए कहा कि वोट चोरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को एक न एक दिन पकड़ा जाएगा क्योंकि यह एक आपराधिक कृत्य है। इससे पहले चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा था कि राहुल गांधी के पास दो विकल्प हैं, या तो शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या आयोग के खिलाफ बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगे। कांग्रेस नेता ने कहा, चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वो कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है।

उन्होंने दावा किया कि आज जब देश की जनता मतदाता सूची के डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट ही बंद कर दी क्योंकि आयोग जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ, लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन जीता लेकिन छह महीने बाद आश्चर्यजनक नतीजे आए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सिर्फ पांच महीने के भीतर एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट दिया और इन सभी ने भाजपा को वोट दिया।

शुल्क का मुद्दा हल होने तक

भारत के साथ व्यापार वार्ता की संभावना नहीं : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ शुल्क का मुद्दा हल होने तक उसके साथ व्यापार वार्ता की संभावना से इनकार किया है। ट्रंप से बृहस्पतिवार को ओवल कार्यालय में पूछा गया था कि क्या उन्हें भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा करने के बाद व्यापार वार्ता आगे बढ़ने की उम्मीद है, इस पर उन्होंने कहा, तब तक नहीं जबतक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता। पिछले सप्ताह, ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जो सात अगस्त से लागू हो गया।

मोदी ने पुतिन से बात की, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शुक्रवार को फोन पर बात की और दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पुतिन ने मोदी को यूक्रेन के साथ अपने देश के जारी संघर्ष के बारे में जानकारी दी और प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया।

दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

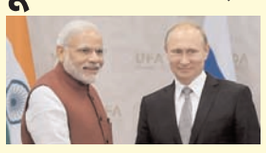

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। मैंने यूक्रेन पर नवीनतम घटनाक्रम से अवगत कराने के लिए उनका धन्यवाद किया। हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की और भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में आयकर विधेयक वापस लिया

नया आयकर विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 वापस ले लिया और सरकार प्रवर समिति के सुझावों के अनुसार बदलावों को शामिल करके नया विधेयक लाएगी। नया आयकर विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार आयकर विधेयक के अद्यतन संस्करण में प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशें शामिल होंगी।

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने की अनुमति मांगी।

सदन की मंजूरी के बाद उन्होंने आयकर विधेयक वापस ले लिया।

सरकार ने 13 फरवरी, 2025 को यह विधेयक पेश किया था और इसे अध्ययन के लिए लोकसभा की प्रवर समिति को भेज दिया गया। प्रवर समिति की रिपोर्ट गत 21 जुलाई को सदन में पेश की गई।

आयकर विधेयक, 2025 को आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के लिए लाया गया था। सूत्रों ने कहा, विधेयक के कई संस्करणों से होने वाले भ्रम से बचने के लिए और सभी बदलावों को समाहित करके आयकर विधेयक का नया संस्करण सोमवार को सदन में विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा।

इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने गाजा पर सैन्य नियंत्रण लेने की योजना को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गाजा शहर पर सैन्य नियंत्रण लेने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी उस पांच सूत्री लक्ष्य के तहत दी गई जिसका मुख्य उद्देश्य हमास को ''निरस्त्र'' करना है। इस निर्णय ने इस क्षेत्र में लगभग दो साल से जारी युद्ध के और तीव्र होने की आशंका पैदा कर दी है।

गाजा शहर पर नियंत्रण करने का विवादास्पद निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पूरे इजराइल में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं, जिनमें युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की तत्काल वापसी सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, सुरक्षा कैबिनेट के मंत्रियों का बहुमत से यह मानना है कि सुरक्षा कैबिनेट को सौंपी गई वैकल्पिक योजना से न तो हमास की हार होगी और न ही बंधकों की वापसी होगी। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वैकल्पिक योजना क्या थी। सुरक्षा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत योजना में पांच सिद्धांत शामिल हैं: हमास को निरस्त्र करना, सभी बंधकों की वापसी, गाजा का विसैन्यीकरण, गाजा में इजराइली सुरक्षा नियंत्रण और एक ऐसे असैन्य प्रशासन की स्थापना जो न तो हमास हो और न ही फलस्तीनी प्राधिकरण।

■ सुरक्षा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत योजना में पांच सिद्धांत शामिल हैं: हमास को निरस्त्र करना, सभी बंधकों की वापसी, गाजा का विसैन्यीकरण, गाजा में इजराइली सुरक्षा नियंत्रण और एक ऐसे असैन्य प्रशासन की स्थापना जो न तो हमास हो और न ही फलस्तीनी प्राधिकरण।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) युद्ध क्षेत्रों के बाहर आम नागरिकों को मानवीय सहायता वितरित करते हुए गाजा शहर पर नियंत्रण लेने की तैयारी करेंगे।

सूर्यास्त 09-08-2025 6:43 बजे	सूर्योदय 10-08-2025 6:06 बजे
BSE 79,857.79 (-765.47)	NSE 24,363.30 (-232.85)
सोना 10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 118,456 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी मुद्दे

बकवादी बोले अंटशंट,
वो ही मुद्दा बन जाता है।
हो जाते गौण सही मुद्दे,
चाकू उन पर तन जाता है।
इतिहासों का अमृत मंथन,
कचरा बन कर छन जाता है।
अपमानित होते कालपुरुष,
बस व्यर्थ समय धन जाता है।।

|| ॐ अर्हम् नमः || || श्री संकट मोचन पार्श्वनाथाय नमः || || श्री धर्म-तीर्थ-शांतिसूरि गुरुभ्यो नमः ||

दक्षिण भारत की धन्य धरा स्थित नारियलों की नगरी के नाम से विश्व विख्यात
अरसीकेरे समीपवर्ती जाजूर मध्ये विश्व की सबसे बड़ी 108 ईंची गुरु प्रतिमा
योगीराज श्री विजयशांतिसूरि गुरु भगवंत की
प्रतिष्ठा सम्बंधी चढ़ावों की जाजम प्रसंगे
हार्दिक भावभरा आमंत्रण
सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधारकर जिनशासन की शोभा बढ़ावें।
भादरवा वदी 1, रविवार, दि. 10 अगस्त 2025
श्री संभवनाथ जैन भवन, डायगनल रोड़, वी.वी. पुरम, बेंगलूरु

विश्व विख्यात दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्ण सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगीराज श्री शांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिर का भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव दि. 19.2.2026 से 23.2.2026 तक मनाया जाएगा। इस निमित्त प्रतिष्ठा संबंधी प्रथम जाजम के कार्यक्रम में चढ़ावें बोलें जायेंगे। आप श्री समस्त श्री संघ सहित अवश्य पधारकर पुण्य से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग करें।

अवसर आया है महान, अरसीकेरे योगीराज श्री विजयशांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिरजी में दे अपना योगदान .....

जाजम के शुभ कार्यक्रम : रविवार, दि. 10 अगस्त 2025
प्रातः 7:15 बजे : श्री सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर, वी.वी. पुरम में श्री संघ का आगमन
प्रातः 7:45 बजे : गाजते बाजते राठौड़ परिवार संग श्री संभवनाथ जैन भवन प्रस्थान
प्रात : शुभ वेला में जाजम का विधि - विधान प्रारंभ
सकल संघ हेतु प्रातः 7:30 बजे से * सुबह का नाश्ता, * सुबह का स्वामीवात्सल्य
* हाई टी * सायं: चौविहार तक संपूर्ण व्यवस्था रहेगी।

दिव्य कृपावर्षा : प.पू. योगीराज आचार्य सम्राट
श्रीमद् विजयशांतिसूरीश्वरजी गुरुभगवंत
भव्य प्रतिष्ठा : विक्रम संवत 2082, फागण सुदी 5
रविवार, दि. 22.02.2026

* पावन निश्रा *
शासन सौभाग्य तिलक
प.पू. आचार्य श्रीमद् विजय
देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा.

* प्रेरक एवं मार्गदर्शन *
सिरोही निवासी शासनरत्न
श्री मनोजकुमारजी
बाबुमलजी हरण

जाजम संबंधी चढ़ावे
* सभी लाभार्थियों का तिलक द्वारा बहुमान * सभी लाभार्थियों का साफा - चुनड़ी द्वारा बहुमान
* सभी लाभार्थियों का पंचरंगी दुपट्टे से बहुमान * सभी लाभार्थियों का माला द्वारा बहुमान
* सभी लाभार्थियों का श्रीफल द्वारा बहुमान * सभी लाभार्थियों का स्मृति चिन्ह द्वारा बहुमान

प्रतिमा भराना
* योगीराज श्री शांतिसूरि गुरुदेव
* सरस्वती देवी प्रतिमा * पद्मावती देवी प्रतिमा
* गुरुदेव की मंगलमूर्ति (3)

प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावे
* पूजा-पूजन एवं महापूजन * फले चुंदड़ी * नगरी उद्घाटन
* नाश्ता * साधर्मिक वात्सल्य * जय जिनेन्द्र
आंगी, रोशनी, प्रभावना एवं प्रतिष्ठा सम्बंधी अन्य चढ़ावे बोले जायेंगे।

मूहूर्त स्वीकृति के लाभार्थी परिवार
स्व. श्रीमान लूनकरणजी एवं श्रीमती शांतिदेवी चौरड़िया की स्मृति में
ललितजी - संगीता चौरड़िया, चन्द्रेशजी - जिज्ञासा चौरड़िया
लोकेशजी - प्रणिता चौरड़िया, वाणी, अवीर, रिद्धि चौरड़िया
एवं समस्त चौरड़िया परिवार, रायपुर - महासमंद, बामनहारा

जाजम बिछाने के लाभार्थी परिवार
स्व. श्रीमती शांतिबाई - स्व. शा. प्रतापचन्दजी राठौड़ के पुण्य स्मृति में
श्रीमती सुशीलाबाई - ताराचन्दजी, मीना - दर्शनजी, जियाना, ताश्वी
एवं समस्त राठौड़ परिवार, बेंगलूरु - मुदेबिहाल - रामसीन (राज.)
Rathod Reality Holding, V.V. Puram, Bengaluru

मुनीमजी के लाभार्थी परिवार
पूज्य पिताजी संघवी देवीचन्दजी मातुश्री हुलासीदेवी के दिव्य आशीष से
संघवी सोहनराजजी - शान्तादेवी, वसंतराजजी - लीलादेवी
सुरेशकुमारजी - गुणवंतीदेवी, संदीपजी - अनिता, हितेशजी - विनिता
विक्रमजी - प्रीति, विमलजी - श्रद्धा, खुश, हीरव, जश, कणव, जिनय, जिनल, रेना,
पार्शवी, खिया एवं समस्त वेद मुथा परिवार, बीरुर - बेंगलूरु (मरुधर में आऊवा)
Mehta Gold Private Limited, Bangalore

* गायक कलाकार : दिलखुश बाफणा (डी.के.) * संगीतकार आर्यन एण्ड पार्टी

निवेदक : योगीराज श्री विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट, अरसीकेरे, कर्नाटक

प्रतिष्ठा महोत्सव चेयरमेन : धीरज बच्छावत, दुबई - कुन्नूर
प्रधान संयोजक : गौतमचन्द गुगलिया, हैदराबाद
परामर्शक : अशोककुमार सुराना, बेंगलूरु

चेयरमेन : ताराचन्द राठौड़
अध्यक्ष : सुरेशकुमार वेद मुथा
महासचिव : डॉ. विजयकुमार सुराना

सम्पर्क : 88675 63284, 96206 71760, 98452 88857, 86609 18659

मौजूदा समय में भारत को यूरोपीय संघ के एफटीए पर तेजी से काम करने की जरूरत: पनगढ़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोलहवें वित्त आयोग के प्रमुख अरविंद पनगढ़िया ने देश की वृद्धि रफ्तार बढ़ाने के लिए शुक्रवार को यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को 'तेजी से' आगे बढ़ाने के साथ भूमि एवं श्रम बाजार सुधारों को लागू करने का सुझाव दिया।

पनगढ़िया ने यहां आयोजित 'बिजनेस टुडे इंडिया100' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में अधिक शुल्क लगने के बीच भारत के लिए यह 'महत्वपूर्ण मोड़' है, जहां एक बाजार सीमित हो रहा है तो दूसरे को व्यापक रूप से खोलने की जरूरत है।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बीच कहा कि भारत को अपने सुधार एजेंडे को अब आगे बढ़ाना होगा।

पनगढ़िया ने कहा कि अमेरिका में ऊंचा शुल्क लगाए जाने के बाद भारत अपने निर्यात को कम शुल्क वाले यूरोपीय संघ की तरफ मोड़ने का काम कर सकता है। उन्होंने कहा, इस महत्वपूर्ण क्षण में हमें यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर गंभीर प्रयास करने चाहिए। यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे एक बड़ा बाजार हमारे लिए खुल जाएगा।

पनगढ़िया ने अमेरिका की तरफ से लगाए गए ऊंचे शुल्क पर कहा, यह संकट भारत के लिए 1991 जैसा समय है।...हमें अतीत पर नजर डालकर यह सोचने की जरूरत है कि क्या किया जा सकता है। बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। सुधारों के मोर्चे पर कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने श्रम संहिता के क्रियान्वयन, भूमि सुधार और केंद्र एवं राज्यों में नियमों की संख्या घटाने को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और यदि घरेलू सुधार पूरे किए जाएं तो वृद्धि की रफ्तार को तेज करने में कोई बाधा नहीं है।

केंद्र ने 47 से 60 रुपए प्रति किलो की दर से टमाटर की बिक्री शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी में टमाटर की 47 से 60 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर खुदरा बिक्री की घोषणा की। इस पहल का मकसद खरीदारों को राहत प्रदान करना है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया कि एनसीसीएफ चार अगस्त से आजादपुर मंडी से टमाटर खरीद रहा है और न्यूनतम मुनाफे पर उनकी खुदरा बिक्री कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, आज तक एनसीसीएफ ने खरीद लागत के आधार पर 47 रुपए से 60 रुपए प्रति किलोग्राम की खुदरा कीमतों पर 27,307 किलोग्राम टमाटर बेचे हैं। खुदरा बिक्री एनसीसीएफ के नेहरू प्लेस, उद्योग भवन, पटेल चौक और राजीव चौक स्थित खुदरा दुकानों के साथ-साथ शहर भर में विभिन्न स्थानों पर संचालित छह से सात वैन के माध्यम से की जा रही है। एनसीसीएफ द्वारा पिछले कई वर्षों में भी इसी तरह की पहल की गई है। मंत्रालय ने कहा कि बारिश के कारण दिल्ली में टमाटर की कीमतों में अस्थायी रूप से बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अखिल भारतीय औसत मूल्य स्थिर बना हुआ है। दिल्ली में टमाटर का वर्तमान औसत खुदरा मूल्य 73 रुपए प्रति किलोग्राम है, जिसका मुख्य कारण जुलाई के अंतिम सप्ताह से उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश है। मंत्रालय ने बयान में कहा, मौसम संबंधी इस व्यवधान के कारण जुलाई के अंत तक कीमतें 85 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं। हालांकि, पिछले सप्ताह आजादपुर मंडी में दैनिक आवक में सुधार और स्थिरता के साथ मंडी और खुदरा कीमतों दोनों में गिरावट आनी शुरू हो गई है। देश भर के विभिन्न केंद्रों पर खुदरा कीमतें किसी बुनियादी मांग-आपूर्ति असंतुलन या उत्पादन में कमी के बजाय अस्थायी स्थानीय कारकों से प्रभावित होती हैं।

धराली आपदा: सुबह से 128 और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय लोगों को निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली गांव के आसपास के क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है जिसके तहत शुक्रवार को 128 और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय लोगों को बाहर निकाला गया।

अब तक बाहर निकाले गए श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की कुल संख्या 566 हो गई है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई मार्गों के क्षतिग्रस्त होने के कारण बचाव और राहत कार्यों को हवाई मार्ग के जरिये अंजाम दिया जा रहा है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अकेले शुक्रवार को दोपहर तक 128 श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिए बाहर निकाला गया। इन लोगों को निकालकर भारत तिब्बत सीमा पुलिस के मातली हेलीपैड पर लाया गया है। पांच अगस्त को दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आयी भीषण बाढ़ में चार लोगों की मृत्यु हो गई थी। आपदास्थल से दो शव बरामद किए गए हैं। उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, आपदा में सेना के नौ जवानों समेत 16 लोग लापता हुए हैं। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि आपदा में लापता हुए लोगों की संख्या कहीं ज्यादा हो सकती हैं क्योंकि घटना के समय वहां निर्माणाधीन होटलों में काम कर रहे नेपाल और बिहार के मजदूर तथा वहां के होटलों में रुके पर्यटक भी थे। उत्तराखंड सरकार के अलावा सेना के चिनूक एवं एम-17 हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। धराली में लगे मलबे के ढेर में लापता लोगों की तलाश के लिए उन्नत उपकरणों को भी हवाई मार्ग से मौके पर पहुंचाया जा रहा है।

प्रभावित इलाकों में खाद्य तथा अन्य जरूरी सामग्री भी हेलीकॉप्टर के जरिए भेजी जा रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक अधिकारी ने कहा कि विभिन्न जगहों पर सड़कें टूटी होने के कारण बचाव अभियान के लिए हवाई मार्ग पर ही अधिक जोर दिया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव एवं राहत कार्यों की देखरेख के लिए बुधवार से ही उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में डेरा डाले हुए हैं। धामी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ..प्रातः काल धराली में जारी राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। हेली सेवा, एमआई 17 और चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से सुबह से ही युद्ध स्तर पर राहत अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सड़क, संचार और बिजली की बहाली के साथ-साथ खाद्यान्न आपूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

उद्योग को कुशल लोगों को अधिक वेतन देने की जरूरत: जयंत चौधरी

नई दिल्ली/भाषा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि उद्योग जगत को प्रमाणित कौशल वाले लोगों को आकर्षित करने के लिए उन्हें अधिक वेतन देने की जरूरत है। चौधरी ने कहा, जब मैं प्रमुख उद्योगपतियों को यह कहते हुए सुनता हूं कि उन्हें कुशल लोग नहीं मिल रहे हैं तो मुझे बहुत दुख होता है... क्योंकि एक तरह से हम समस्या और समाधान दोनों का हिस्सा हैं। उद्योग जगत को यह समझना होगा कि आपको प्रमाणित कुशल लोगों को उच्च वेतनमान देना होगा। आपको उस कौशल और शिक्षा को महत्व देना होगा।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित कौशल शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हालांकि हर कोई समझता है कि कुशल लोगों की कमी है '' हमें और अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। जब तक कि प्रमाणित कौशल वाले लोग अपनी आजीविका में तत्काल सुधार नहीं देखते, चाहे वह वेतन के मामले में हो या उद्यमिता के मामले में, हम उनके कौशल को उचित महत्व नहीं दे रहे हैं।

सरकार ऊर्जा सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक मानती है: जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह ऊर्जा सुरक्षा को अपनी 'सर्वोच्च प्राथमिकताओं' में से एक मानती है और लोगों को किफायती ऊर्जा उपलब्ध हो, इसके लिए उसने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार एक 'बहुआयामी रणनीति' अपना रही है जिसमें आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना, तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने का विस्तार करना और ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाना शामिल है। उनसे वैश्विक तनाव के बीच देश के सामरिक और ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण पूछा गया था, और यह प्रश्न भी किया गया कि क्या सरकार ने रूस और ईरान से भारत के पेट्रोलियम आयात पर 'प्रतिबंधों के प्रभाव' के बारे में अमेरिका जैसे देशों के साथ चिंता व्यक्त की है। पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जो 7 अगस्त से लागू हो गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को एक कार्यकारी आदेश पर भी हस्ताक्षर किए, जिसमें नई दिल्ली द्वारा रूस से तेल की खरीद पर भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की गई, जिससे कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया, जो दुनिया में किसी भी देश पर अमेरिका द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा शुल्कों में से एक है। यह अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 21 दिन बाद 27 अगस्त से लागू होगा।

मेरे राजनीतिक कदमों से अक्सर कुछ लोगों को परेशानी होती है, लेकिन मुझे परवाह नहीं : शिंदे

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि उनके राजनीतिक कदम अक्सर कुछ लोगों की परेशानियां बढ़ा देते हैं, लेकिन लोग क्या सोचते हैं, इस बात की परवाह किए बगैर वह अपना काम जारी रखते हैं। ठाणे में एक समारोह के दौरान शिवसेना प्रमुख ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए राजनीतिक परिवर्तनों पर बात की और कहा कि महाराष्ट्र में 2022 का सत्ता परिवर्तन एक ऐसा जोखिम था, जिसे केवल एक साहसी व्यक्ति ही उठा सकता था।

शिंदे ने जून 2022 में संयुक्त शिवसेना अध्यक्ष व तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद कर दिया। शिंदे और शिवसेना के लगभग 40 अन्य विधायकों के विद्रोह के कारण ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार गिर गई। बाद में ठाकरे के स्थान पर शिंदे मुख्यमंत्री बने और नवंबर 2024 तक वह इस पद पर बने रहे। हाल ही में अपनी दिल्ली यात्रा का उल्लेख करते हुए शिंदे ने कहा कि उनके राजनीतिक कदमों से महाराष्ट्र में कुछ लोगों में घबराहट पैदा होती है, लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा, कुछ लोगों को परेशानी हुई, लेकिन मैं इसकी चिंता नहीं करता और अपना काम जारी रखता हूं। शिंदे अपने राजनीतिक क्षेत्र ठाणे में एक मराठी समाचार पत्र के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि महाराष्ट्र सरकार मैंग्रोव की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक नई नीति तैयार करने की प्रक्रिया कर रही है। मैंग्रोव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उपमुख्यमंत्री ने खारे पानी में पनपने वाले तटीय आर्द्रभूमि वृक्षों के दीर्घकालिक अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित नीति की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

सीएपीएफ और एनडीआरएफ के कर्मियों को रेल यात्रा में प्राथमिकता : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों को रेल यात्रा के दौरान आपातकालीन कोटे के तहत आरक्षण प्रदान करने में प्राथमिकता दी जाती है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और असम राइफल्स के कर्मियों को, ड्यूटी पर या अन्यथा यात्रा करते समय, आपात कोटे से आरक्षण देने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं।

वैष्णव ने कहा, वर्ष 2022-23 से 2025-26 (जून 2025 तक) की अवधि में पुलिस, बीएसएफ और सीआरपीएफ के 3.94 लाख से अधिक यात्रियों को आपातकालीन कोटे के तहत यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह पहल सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुविधा और सम्मान के लिए की गई है ताकि उन्हें अपनी ड्यूटी या व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा करने में कठिनाई न हो।

ऑनलाइन बुकिंग से समय और पैसे की बचत होती है: रेलवे मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कहा कि आईआरसीटीसी द्वारा आरक्षित टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा यात्रियों को आरक्षण काउंटरों पर प्रतीक्षा की झंझट से बचाती है, जिससे समय और यात्रा खर्च दोनों की बचत होती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने उनसे जानना चाहा था कि क्या आईआरसीटीसी, यूपीआई या अन्य डिजिटल माध्यमों से टिकट बुक करने पर नॉन-एसी टिकटों पर 10 रुपए और एसी टिकटों पर 20 रुपए की अतिरिक्त राशि वसूलता है, और यदि हां, तो कैशलेस अर्थव्यवस्था और यूपीआई को बढ़ावा देने की सरकारी नीति के बावजूद यह शुल्क क्यों लिया जाता है। इसके जवाब में मंत्री वैष्णव ने कहा, आईआरसीटीसी को ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा उपलब्ध कराने में पर्याप्त खर्च करना पड़ता है।

भारत व्यापार समझौते में किसानों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों से बचाकर रखे: एसबीआई रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के दौरान भारत को अपने किसानों के हितों को वैश्विक कंपनियों के शोषणकारी तरीकों से बचाकर रखना चाहिए। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियां कृषि बाजार के स्थायी बुनियादी ढांचे में निवेश, कृषि मूल्य-शृंखला वित्त पोषण में हिस्सेदारी और किसानों के कल्याणकारी कार्यक्रमों का हिस्सेदार बने बगैर ही भारतीय बाजार में हिस्सेदारी हासिल करना चाह सकती हैं। रिपोर्ट कहती है, भारत को रणनीतिक रूप से अपनी संप्रभुता की रक्षा करते हुए, अपने किसानों को चुनिंदा वैश्विक समूहों के शोषणकारी तरीकों की संभावना से बचाना जारी रखना चाहिए।

एसबीआई की यह शोध रिपोर्ट भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार वार्ता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम, एथेनॉल और डेयरी उत्पादों पर शुल्क घटाने की मांग कर रहा है लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं है।

भारत और अमेरिका के बीच इस माह के अंत में व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता होने वाली है। इसके लिए अमेरिकी दल के महीने के उत्तरार्द्ध में भारत आने की उम्मीद है।

भारत-पाक संघर्ष पर ट्रंप और रुबियो के दावों का प्रधानमंत्री सीधा खंडन क्यों नहीं करते? : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की हालिया टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए पूछा कि प्रधानमंत्री को किस बात का डर है कि वह इन दावों का स्पष्ट रूप से खंडन नहीं करते।

विपक्षी पार्टी का यह हमला रुबियो के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ, तो अमेरिका सीधे तौर पर इसमें शामिल हो गया था और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच शांति स्थापित करने में सक्षम रहे।

ट्रंप ने 10 मई के बाद से कई बार अपने दावे को दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का समाधान करने में मदद की है और परमाणु हथियार संपन्न पड़ोसियों से कहा है कि यदि वे संघर्ष बंद कर दें, तो अमेरिका उनके साथ बहुत सारा व्यापार करेगा। भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ 'संघर्ष विराम' करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 22 जनवरी 2025 को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की पहली द्विपक्षीय बैठक को खूब प्रचारित किया गया। उन्होंने कहा, अब एक बार फिर अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा है कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने 'सीधा हस्तक्षेप किया और शांति स्थापित करवाई'।

रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर चुप क्यों हैं? विदेश मंत्री का जवाब भी ट्रंप और मार्को रुबियो की बातों पर कुछ ज्यादा ही चालाकी भरा रहा है।

बांग्लादेश में लालमोनिरहाट एयरबेस से संबंधित खबरों का संज्ञान लिया: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट एयरबेस से संबंधित खबरों का संज्ञान लिया है। सरकार ने लोकसभा को सूचित किया।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि सरकार ने 26 मई को बांग्लादेश सेना के सैन्य संचालन निदेशक द्वारा आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग का भी संज्ञान लिया है, जिसमें कहा गया है कि ''लालमोनिरहाट एयरफील्ड को सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है''। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या बांग्लादेश ने अपने लालमोनिरहाट एयरबेस पर ''चीन को फिर से परिचालन शुरू करने के लिए अधिकृत किया है'' और क्या सरकार ने इस संबंध में बांग्लादेश के समक्ष ''अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

सिंह ने अपने उत्तर में कहा, भारत सरकार ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट एयरबेस से संबंधित खबरों का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सभी घटनाक्रमों पर नजर रखती है और इसकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती है।

पुराने वाहनों पर प्रतिबंध के संबंध में कोई शोध नहीं किया गया: सीएक्यूएम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने स्वीकार किया है कि उसने 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर कोई शोध या अध्ययन नहीं किया है।

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पुराने वाहनों से प्रदूषण होने का हवाला देते हुए उन पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

पर्यावरणविद् अमित गुप्ता ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत एक अर्जी दाखिल की थी, जिसके जवाब में सीएक्यूएम ने कहा कि उसने ऐसे वाहनों के प्रभाव के बारे में कोई अनुसंधान या अध्ययन नहीं किया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या कोई अन्य शोध हुआ जो प्रतिबंध का आधार बना, इस पर आयोग ने कहा कि इस्तेमाल लायक नहीं बचे (ईओएल) वाहनों पर प्रतिबंध राष्ट्रीय हरित अधिकरण के ''वर्धमान कौशिक बनाम भारत संघ एवं अन्य'' तथा ''एम सी मेहता बनाम भारत संघ एवं अन्य'' में दिए गए उच्चतम न्यायालय के आदेश से उत्पन्न हुआ है।

पिछले महीने सीएक्यूएम ने अपने पूर्व के निर्देश के क्रियान्वयन पर 31 अक्टूबर तक रोक लगा दी थी कि दिल्ली में पेट्रोल पंप पुराने वाहनों को डीजल या पेट्रोल नहीं दें। यह निर्णय तब लिया गया जब दिल्ली सरकार ने एक जुलाई से इस कदम को लागू करने में ''परिचालन और बुनियादी ढांचे संबंधी चुनौतियों'' का हवाला दिया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में ऐसे 62 लाख वाहन हैं, जिनमें 41 लाख दोपहिया वाहन शामिल हैं। एनसीआर में यह संख्या लगभग 44 लाख है, जिनमें से ज़्यादातर गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत में हैं।

जुलाई के आदेश में कहा गया था कि दिल्ली में ईंधन पर प्रतिबंध स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाने के बाद एनसीआर के उच्च-वाहन घनत्व वाले पांच जिलों में एक नवंबर से एक साथ लागू किया जाएगा। यह व्यवस्था अगले साल एक अप्रैल से एनसीआर के बाकी जिलों में भी लागू की जाएगी।

दिल्ली सरकार ने सीएक्यूएम को बताया कि एएनपीआर प्रणाली का उद्देश्य ईओएल वाहनों की पहचान करने के लिए वाहन डेटाबेस के आधार पर नंबर प्लेटों की जांच करना है, लेकिन यह प्रणाली सॉफ्टवेयर संबंधी गड़बड़ियों, सेंसरों में खराबी और पड़ोसी राज्यों के वाहन डेटाबेस के साथ एकीकृत न होने की समस्या का सामना कर रही है।

स्कूल फीस वृद्धि पर विधेयक बताता है कि शिक्षा कोई व्यावसायिक उद्यम नहीं : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जाने वाली फीस वृद्धि को विनियमित करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक का व्यापक संदेश यह बताना है कि शिक्षा कोई व्यावसायिक उद्यम नहीं है।

गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, यह पहली बार है कि कोई सरकार दिल्ली में स्कूली बच्चों के अभिभावकों के साथ खुलकर खड़ी है। आम आदमी पार्टी अब बगलें झांक रही है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने वह सब किया जो वह (आप) दिल्ली में सत्ता में रहते हुए नहीं कर सकी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मानसून सत्र के पहले दिन 'दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025' पेश किया। इस विधेयक पर विधानसभा में दिन में बाद में चर्चा की जाएगी और पारित किया जाएगा। सदन के सदस्यों को इसकी धाराओं में संशोधन प्रस्तावित करने की अनुमति भी दी गई है।

यह विधेयक दिल्ली के सभी निजी, मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों की फीस को एक त्रि-स्तरीय मूल्यांकन और अनुमोदन प्रणाली के माध्यम से विनियमित करने का प्रयास करता है, जिसके लिए विशेष समितियां गठित की जाएंगी। उल्लंघन की स्थिति में कड़े दंड का प्रावधान है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली के सभी निजी और गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को, चाहे वे कहीं भी स्थित हों, अब से शुल्क में वृद्धि करने से पहले सरकार की अनुमति लेनी होगी। उन्होंने बताया कि अब तक सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर बने केवल 350 विद्यालयों को ही शुल्क वृद्धि से पहले सरकार की मंजूरी लेनी पड़ती थी।

आशीष सूद के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली विधानसभा में मुख्य विपक्षी आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने विधेयक को ध्यान भटकाने वाला बताया। उन्होंने कहा, भाजपा के मंत्री दिल्ली के मध्यम वर्ग को गुमराह कर रहे हैं। यह विधेयक 350 से ज़्यादा निजी विद्यालयों को उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के उन फैसलों से बचाने के लिए बनाया गया है, जिनके तहत पहले उनकी शुल्क संरचना पर कड़ी निगरानी रखी जाती थी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने केंद्र की नयी शिक्षा नीति के जवाब में राज्य की नयी शिक्षा नीति की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्र की नयी शिक्षा नीति (एनईपी) के जवाब में शुक्रवार को राज्य की नयी शिक्षा नीति की शुरुआत की। वह मानते हैं कि केंद्र की नयी शिक्षा नीति सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसका उद्देश्य राज्य पर हिंदी को 'थोपना' है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि तमिलनाडु, तमिल और अंग्रेजी की द्विभाषी नीति का पालन करने के प्रति दृढ़ है और राज्य की नयी शिक्षा नीति छात्रों को भविष्य के लिए तैयार एवं सुसज्जित करने के लिए बनायी गई है। स्टालिन ने स्कूली छात्रों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह और राज्य शिक्षा नीति 2025 के विमोचन समारोह में कहा, हम भविष्य के जीवन के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करना चाहते हैं। हम ऐसे छात्र तैयार करना चाहते हैं जो तकनीकी रूप से सक्षम, रचनात्मक, भविष्य के लिए तैयार और सुसज्जित हों। उन्होंने कहा कि इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों को भी महत्व देने का प्रस्ताव किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्टालिन ने कहा, मातृभाषा तमिल हमारी पहचान है, हमारा गौरव है। तमिल और अंग्रेजी की द्विभाषी नीति हमारा दृढ़ संकल्प है और मैं इसकी पुष्टि करता हूं। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले राज्य के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र और लैपटॉप प्रदान किए। उन्होंने कहा, तमिलनाडु राज्य स्कूल शिक्षा नीति 2025 जारी करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। तमिलनाडु की हर चीज में एक अनूठी विशेषता है। यहां प्रगतिशील सोच है। इसी के आधार पर हमने भविष्य के लिए आवश्यक दृष्टिकोण के साथ यह शिक्षा नीति बनाई है।

चेन्नई में हिन्दी पत्रकारिता के विकास पर संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय नौवहन के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के संदर्भ में विशेष राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का विषय था 'हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों की विकास यात्रा एवं चेन्नई में हिन्दी पत्रकारिता का योगदान। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय उपमहा प्रबंधक एम पी सिंह, के स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसके उपरांत अतिथियों का सम्मान किया गया। इस गरिमामयी संगोष्ठी की मुख्य अतिथि रहीं प्रख्यात साहित्यकार पूनम श्रेयसी तथा समाज चिंतक नरेंद्र कुमार सिन्हा रही। साथ ही सुश्री निधि गौतम की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी सार्थक बना दिया।

मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित जानेमाने कवि ईश्वर करुण ने हिन्दी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की विकास यात्रा को ऐतिहासिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करते हुए आधुनिक मीडिया के परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता की भूमिका पर विचार साझा किया।

उन्होंने चेन्नई की हिन्दी पत्रकारिता का ब्योरेवार विवरण दिया। कार्यक्रम के दौरान हिन्दी समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इन सम्मानित पत्रकारों के योगदान से दक्षिण भारत में हिन्दी पत्रकारिता को नई दिशा मिली है।

इस अवसर पर श्रीमती पूनम श्रेयसी द्वारा लिखित हिन्दी काव्य संग्रह 'वेदना पिघल रही' का लोकार्पण एम पी सिंह, क्षेत्रीय उप महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में हुआ।

कवियित्री ने इस पुस्तक से एक रचना का पाठ भी किया, जिसने साहित्यिक वातावरण को और अधिक समृद्ध कर दिया। उपप्रबंधक भगत बालसुन्दर, ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुडुचेरी के सरकारी स्कूलों में छात्राओं को ओवरकोट पहनने का निर्देश

पुडुचेरी। पुडुचेरी सरकार ने सरकारी स्कूलों में छात्राओं को ओवरकोट' पहनने का निर्देश देते हुए आदेश जारी किया है। प्राशि उपनिदेशक सी. गवौरी ने परिपत्र में कहा स्कूल शिक्षा निदेशक ने सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए ओवरकोट पहनने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उपनिदेशक ने परिपत्र में कहा कि सभी स्कूल निरीक्षण अधिकारियों को छात्राओं के लिए ओवरकोट का डिजाइन अपने अधीन आने वाले संस्थानों के प्रमुखों को भेजने व छात्राओं को डिजाइन के अनुसार ओवरकोट पहनने के निर्देश देने के लिए कहा गया है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा छात्राओं को ओवरकोट पहनने का निर्देश देने का निर्णय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

कमल हासन ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रसिद्ध अभिनेता कमल हासन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और तमिल भाषा एवं सभ्यता जैसे मुद्दों पर चर्चा की। राज्यसभा सदस्य हासन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट किया और प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की कई तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने प्रधानमंत्री को कीलाडी गांव की थीम' पर आधारित एक स्मृति चिह्न भी भेंट किया। यह स्थान मदुरै से 12 किलोमीटर दूर वैगई नदी के तट पर स्थित है। अभिनेता ने इस पोस्ट के साथ एक लंबा नोट भी संलग्न किया।

हासन ने पोस्ट में लिखा, ''आज मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तमिलनाडु के लोगों के प्रतिनिधि और एक कलाकार के रूप में मैंने उनके समक्ष कुछ अनुरोध रखे, जिनमें सबसे प्रमुख हैं कीलाडी की प्राचीनता को मान्यता प्रदान करने में तेजी लाना।''

उन्होंने कहा, ''मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह तमिल सभ्यता की भव्यता और तमिल भाषा की शाश्वत महिमा को विश्व के सामने प्रदर्शित करने में तमिल लोगों को अपना सहयोग प्रदान करें।''

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने स्थापना दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एगमोर स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आज अपने संस्थापक सर सोराबजी पोचखानवाला की जयंती के उपलक्ष्य में अपना 144वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। श्री सोराबजी ने सन 1911 में इस बैंक की स्थापना की थी यह देश का पहला स्वदेशी बैंक है जिसका पूर्ण स्वामित्व और प्रबंधन भारतीयों के पास है। इस अवसर पर , सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया चेन्नई के अंचल महाप्रबंधक के. शशिधर ने अपने वक्तव्य में बैंक के संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बैंक के 114 वर्षों की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में बैंक की साढ़े चार हजार से अधिक शाखाएं चार हजार से अधिक एटीएम और बारह हजार से अधिक बैंकिंग कर्मचारियों सहित इक्कीस हजार से अधिक टचपॉइंट्स के विशाल नेटवर्क के साथ बैंक ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में अपनी 657 शाखाओं के साथ पूरे भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। महाप्रबंधक शशिधर ने बैंक की ऐतिहासिक उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए कहा कि देश का यह पहला बैंक है जिसने चेक बुक के साथ भारत की पहली गृह बचत योजना, सेफ डिपॉज़िट वॉल्ट, क्रेडिट कार्ड और बैंकिंग उद्योग में पहली बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित गोल्ड लोन एटीएम की शुरुआत की थी उन्होंने बताया कि बैंक ने हाल ही में जेनराली ग्रुप के साथ एक संयुक्त उद्यम के माध्यम से बीमा क्षेत्र में भी कार्य करना प्रारंभ किया है जिसमें जेनराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और जेनराली सेंट्रल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की शुरुआत की गई है।

उन्होंने बताया कि बैंक का सेंट ईजी मोबाइल ऐप 200 से ज़्यादा सुविधाओं वाला एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है और यह डिजिटल बदलाव और ग्राहक-केंद्रित नवाचार के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के लिए, पूरे भारत में सेंट्रल बैंक की 90 से ज़्यादा शाखाओं का प्रबंधन विशेष रूप से महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि अपनी सीएसआर पहल के तहत, बैंक ने हाल ही में 'हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन' के सहयोग से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रायोजित करने हेतु 18 लाख रुपए दान दिए हैं इसके साथ ही पिछले वर्ष श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, कांचीपुरम में एक फिनटेक लैब स्थापित करने के लिए 50 लाख रुपए योगदान दिया गया था।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विकास के हिस्से के रूप में, बैंक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (पीएमजेडीवाई, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई) के लिए संतृप्ति अभियानों तथा कृषि, खुदरा और एमएसएमई क्षेत्रों के लिए ऋण आउटरीच में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया विश्वास की शताब्दी और वादे के भविष्य के रूप में खड़ा है, जो स्थिरता, नैतिकता, पोषण, पारदर्शिता, जवाबदेही, उत्तरदायित्व और वफादारी के संस्थापक मूल्यों के प्रति ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है और अपने नाम सेंट्रल को पूर्णतः चरितार्थ कर रहा है।

इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख पवन अग्रवाल सहायक महाप्रबंधक धर्मेंद्र कुमार सहित बैंक के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांच महीने के शिशु पर मोनोसेगमेंटल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमजीएम हेल्थकेयर ने कृष्णागिरी निवासी 5 महीने के 8 किलो वज़न वाले शिशु पर रिज्यूस्ड मोनोसेगमेंटल लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया। शिशु क्रिग्लर-नज्जर सिंड्रोम टाइप 1 के कारण गंभीर पीलिया से पीड़ित था, जो लिवर के कार्य को प्रभावित करने वाली एक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति है। 10 घंटे की लंबी सर्जरी के बाद, युवा मरीज़ पूरी तरह ठीक हो गया और 14 दिनों में उसे छुट्टी दे दी गई। क्रिग्लर-नज्जर सिंड्रोम दस लाख नवजात शिशुओं में से केवल एक को प्रभावित करता है, जिसमें लीवर लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने से उत्पन्न होने वाले पदार्थ, बिलीरुबिन को तोड़ने में असमर्थ होता है।

लीवर प्रत्यारोपण के बिना, प्रभावित बच्चों को स्थायी तंत्रिका क्षति, कर्निक्टेरस, लीवर सिरोसिस और लीवर फेलियर का बहुत अधिक खतरा होता है। फोटोथेरेपी द्वारा मानक उपचार अक्सर बिलीरुबिन के स्तर को नियंत्रित करने में विफल रहता है, जिससे रोगी लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाता। इसलिए प्रत्यारोपण ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

इस मामले में, शिशु माँ के लिवर के आकार को छोटा करके सर्जरी की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह छोटे शरीर के लिए बिल्कुल सही फिट हो। बच्चे को जीवन भर निगरानी में रहना होगा और प्रत्यारोपित अंग के अस्वीकार होने से बचने के लिए उसे विशेष रूप से प्रतिरक्षा-दमनकारी दवाएँ लेनी होंगी। सर्जरी का नेतृत्व वरिष्ठ सलाहकार एवं निदेशक डॉ. त्यागराजन श्रीनिवासन ने किया और इसमें डॉ. श्रीकांत थुम्माला और डॉ. एल. सौंदरा राजन, सलाहकार इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर डिजीज, ट्रांसप्लांट एंड एचपीबी सर्जरी शामिल थे। एनेस्थीसिया और गहन चिकित्सा टीम में डॉ. दिनेश बाबू और डॉ. निवाश चंद्रशेखरन शामिल थे।

सरकार ने मरक्कनम-पुडुचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन में बदलने की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/नईदिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को तमिलनाडु में मरक्कनम-पुडुचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन में बदलने को लेकर कुल 2,157 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। वर्तमान में, चेन्नई, पुडुचेरी, विलुप्पुरम और नागपत्तनम के बीच संपर्क मौजूदा 2-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 332ए (एनएच-332ए) और संबंधित राज्य राजमार्गों पर निर्भर है, जहां यातायात की अधिकता के कारण, विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों और गलियारे वाले प्रमुख कस्बों में काफी भीड़भाड़ रहती है।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, इस परियोजना के तहत मरक्कनम से पुडुचेरी तक लगभग 46 किलोमीटर लंबे एनएच-332ए को चार-लेन का बनाया जाएगा। इस परियोजना से मौजूदा गलियारे पर भीड़ कम होगी, सुरक्षा में सुधार होगा और चेन्नई, पुडुचेरी, विलुप्पुरम और नागपत्तनम जैसे तेजी से बढ़ते शहरों की परिवहन संबंधी जरूरतें पूरी होंगी। यह परियोजना दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-32, एनएच-332) और दो राज्य राजमार्गों (एसएच-136, एसएच-203) को जोड़ती है, जिससे तमिलनाडु के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक केंद्रों तक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा।

मैंने ली है संविधान की शपथ, क्या चुनाव आयोग भाजपा का एजेंट बन चुका है ?: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने या माफी मांगने के लिए कहे जाने के बाद शुक्रवार को उस पर पलटवार किया और कहा कि उन्होंने संसद के भीतर संविधान की शपथ ली है तथा इस संवैधानिक संस्था को बताना चाहिए कि क्या वह भाजपा की एजेंट बन गई है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए यह चेतवानी दी कि ''वोट चोरी'' के लिए जिम्मेदार चुनाव आयोग के अधिकारियों को एक न एक दिन पकड़ा जाएगा क्योंकि यह एक ''आपराधिक कृत्य'' है। इससे पहले चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा था कि राहुल गांधी के पास दो विकल्प हैं, या तो शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या आयोग के खिलाफ बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगे। कांग्रेस नेता ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वो कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। उन्होंने दावा किया कि आज जब देश की जनता मतदाता सूची के डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट ही बंद कर दी क्योंकि आयोग जानता है कि जनता उनेसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा। राहुल गांधी ने सवाल किया, विपक्ष को डिजिटल मतदाता सूची क्यों नहीं मिल रही? सीसीटीवी और वीडियो सबूत मिटाए जा रहे हैं, ऐसा क्यों और किसके कहने पर हो रहा है? फर्जी मतदान और मतदाता सूची में गड़बड़ी क्यों की गई? विपक्षी नेताओं को क्यों डराया, धमकाया जा रहा है? साफ-साफ बताओ कि क्या चुनाव आयोग अब भाजपा का एजेंट बन चुका है? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि यदि चुनाव आयोग इलेक्ट्रॉनिक डेटा उपलब्ध करा दे तो कांग्रेस यह साबित कर देगी कि नरेन्द्र मोदी वोट चोरी करके देश के प्रधानमंत्री बने है कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''संविधान हर नागरिक को एक वोट का अधिकार देता है, उस पर चुनाव आयोग और उसके अधिकारी आक्रमण कर रहे हैं। जो अधिकारी ऐसा कर रहे हैं, वो नहीं बचेंगे। समय लगेगा लेकिन हम उन्हें पकड़ेंगे।'' उन्होंने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, ''अगर आप (अधिकारी) इस पर आक्रमण करेंगे तो हम पर आक्रमण करेंगे।'' राहुल गांधी ने कहा, ''हमारी मांग है कि चुनाव आयोग पूरे देश की मतदाता सूची को डिजिटल स्वरूप में प्रदान करे और सीसीटीवी फुटेज दे। अगर हमें यह मिलता है तो हम यह साबित कर देंगे कि वोट चोरी सिर्फ कर्नाटक में नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान में की गई है।''

केरल के नेता प्रतिपक्ष ने त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में 'वोट चोरी' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने शुक्रवार को राज्य के त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोट चोरी' का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान राज्य में इस सीट पर जीत हासिल की थी, जो राज्य में उसकी पहली लोकसभा सीट पर जीत थी।

कांग्रेस नेता ने त्रिशूर के पास पझायन्नूर में संवाददाताओं से कहा, त्रिशूर और अन्य संसदीय क्षेत्रों में हुई कथित धांधली की जांच होनी चाहिए। त्रिशूर में अवैध तरीकों से वोट जोड़ने के लिये संघ परिवार के खिलाफ कई शिकायतें आई हैं। यूडीएफ इस संबंध में कानूनी कार्रवाई करने पर विचार करेगा।

त्रिशूर में 2024 में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई और यहां अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ, दोनों को हराया। इस नतीजे ने राज्य में कई लोगों को चौंका दिया, क्योंकि यहां भाजपा का पारंपरिक रूप से सीमित प्रभाव रहा है।

भाजपा ने अभी तक सतीशन के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सतीशन ने यह टिप्पणी उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा सहित कई राज्यों में चुनावी प्रक्रिया में व्यापक हेरफेर और मतदाता सूचियों से छेड़छाड़ का आरोप लगाने के एक दिन बाद की।

अंत्योदय के सपने को साकार करने में जुटी हमारी सरकार : शर्मा

मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजन बहनों के साथ किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजन समाज का अभिन्न अंग है। एक समावेशी तथा संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए विशेष योग्यजन की समान भागीदारी अति आवश्यक है। इसके लिए राज्य सरकार दिव्यांगजनों को केन्द्र में रखकर निरंतर कार्य कर रही है तथा उन्हें सशक्त बनाने के लिए कृत्संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की परिकल्पना अंत्योदय को साकार करने में जुटी हुई है। शर्मा ने प्रदेशवासियों से एकात्म मानववाद तथा नागरिक कर्तव्यों को निभाते हुए प्रत्येक जरूरतमंद की मदद करने की अपील की।

शर्मा शुक्रवार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल परिसर में आयोजित 'विशेष योग्यजन बहन सम्मान दिवस समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, जो आपसी स्नेह, विश्वास और संरक्षण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि आपका ये भाई आप सभी बहनों की सुरक्षा, सम्मान के साथ ही सभी को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कई योजनाएं एवं नवाचारों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में दिव्यांगजनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए 'समान अवसर नीति 2025' लाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम संतान के जन्म के समय दी जाने वाली राशि 5 हजार से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये की है। इस योजना में दिव्यांग गर्भवती महिला को 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा विधवाओं, एकल नारियों तथा दिव्यांग व्यक्तियों को दी जा रही पेंशन को बढ़ाकर 1 हजार 250 रुपये प्रति माह किया गया है।

कार्यक्रम में ना किसी भी तरह की औपचारिकता थी और ना ही मंचीय दूरी। पूरे वातावरण में केवल आत्मीयता और अपनापन का अहसास हो रहा था। जब कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को विशेष योग्यजन बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा तो उनके स्नेह से सभी भावुक हो गए। कार्यक्रम में लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री के समक्ष 'आ चल के तुझे मैं ले के चलूं एक ऐसे गगन के तले.....' गीत गाया। इस सरल और अपनेपन से गाए हुए गीत ने सभी के दिल को छू लिया। इस दौरान दिव्यांगजनों ने बैंड वादन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चियों को अपने समीप बिठाकर संवाद भी किया। तनु ने कुरकुरे, मिठाई, समोसा खाने की इच्छा व्यक्त की, वहीं पूजा ने घूमने की इच्छा जाहिर की। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों की मासूम ख्वाहिशों को पूरा करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम के अंत में शर्मा ने दिव्यांगजनों को खीर प्रसादी भी वितरित की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय के लक्ष्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जामडोली में 200 करोड़ रुपये की लागत से स्वयंसिद्धा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का चरणबद्ध रूप से निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजनों को डिजिटल हियरिंग और लर्निंग किट सौंपी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने परिसर में सिंदूर का पौधा लगाया। उन्होंने सभी बालिकाओं से संवाद किया तथा उन्हें पर्यावरण को संरक्षण करने का संदेश दिया।

उन्होंने विशेष योग्यजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल भेंट की। शर्मा ने राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह के बालक-बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों को सराहा। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता श्रीमती अपर्णा अरोडा, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आशीष मोदी, 'अपना घर' के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज एवं बड़ी संख्या में दिव्यांग बहनें मौजूद रही।

माउंट आबू में गुजरात के पर्यटक की चाकू मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माउंट आबू। राजस्थान में पर्यटन स्थल माउंट आबू थाना क्षेत्र में आबूरोड मार्ग पर गुरुवार को अज्ञात बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर माउंट आबू आये गुजरात के एक पर्यटक की चाकू मारकर हत्या कर दी जबकि एक अन्य को घायल कर दिया।

थाना प्रभारी प्रदीप डांगा ने शुक्रवार को बताया कि गुजरात के बनासकांठा के नरेश भाई ने पुलिस को शिकायत की कि वह अपने मौसेरे भाई हितेश चौधरी के साथ धानेरा से मोटर साइकिल पर माउंट आबू घूमने के लिये रवाना हुआ।

दोपहर में माउंट आबू की चढ़ाई करते हुए बाघनाला से छीपाबेरी चौकी की तरफ आ रहे थे कि मोबाइल फोन पर किसी की कॉल आने पर वे रुके। तभी दो मोटर साइकिलों पर सवार छह युवक आये और वे मोटर साइकिल की चाबी निकालने लगे। उन्होंने बताया कि नरेश ने बताया है कि जब उन्हें रोका गया तो उन युवकों ने उसके सिर पर चाकू से वार किया जो हेल्मेट पर लगा, जिससे वह बच गया। फिर उन युवकों ने पीछे बैठे हितेश पर चाकुओं से ताबड़ तोड़ वार कर दिये। वे युवक उसका मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गये। वह हितेश को आबू रोड सरकारी अस्पताल ले गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डांगा ने बताया कि उसकी शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके आसपास नाकाबंदी करवाकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी स्थानीय हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद है।

राजस्थान में बारिश में कमी आने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी सप्ताह बारिश संबंधी गतिविधियों में कमी आने और इस दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में कमी रहेगी और उत्तर-पश्चिमी भागों में रविवार से कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसी तरह पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में भी आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में कमी रहने की संभावना है। उसने बताया कि हालांकि शनिवार से उत्तर-पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी और शनिवार से मंगलवार तक भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर एवं जयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है।

केंद्र ने बताया कि आगामी एक सप्ताह राज्य में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। उसने अनुमान जताया कि 15 से 21 अगस्त के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के दक्षिणी भाग में सामान्य से अधिक एवं शेष भाग में सामान्य के आसपास बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। राज्य में सर्वाधिक वर्षा भरतपुर जिले में (20.0 मिलीमीटर) दर्ज की गई। सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में (38.2 डिग्री सेल्सियस) रहा।

संस्कृत : संस्कृति की मूल आत्मा : देवनानी

जयपुर, 08 अगस्त। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने श्रावण मास की पूर्णिमा और संस्कृत दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत दिवस का उद्देश्य भारत की प्राचीनतम और वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के प्रति जनजागरण, सम्मान और अभ्यास को प्रोत्साहित करना है। श्रावण पूर्णिमा का दिन संस्कृत दिवस के लिए विशेष महत्व रखता है। देवनानी ने कहा कि संस्कृत की सरलता, स्पष्टता एवं वैज्ञानिकता इसे विश्व की विशिष्ट भाषाओं में स्थान दिलाती है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा, दर्शन, विज्ञान और संस्कृति की मूल आत्मा है। इसे संरक्षित रखना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। देवनानी ने कहा कि संस्कृत, भारत की प्राचीनतम भाषा है। यह भाषा भारतीय संस्कृति, साहित्य, दर्शन, और विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

संस्कृत दिवस का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और इसके अध्ययन को बढ़ावा देना है। यह दिवस प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को याद करने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करता है। अपनी जड़ों से जुड़ने और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के लिए भी संस्कृत दिवस प्रेरित करता है। देवनानी ने कहा कि देश में ही नहीं, विदेशों में भी संस्कृत उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कन्हैया लाल के बेटों ने 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म देखी, न्याय की गुहार लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर में साल 2022 में नृशंस तरीके से मारे गए कन्हैया लाल के बेटों ने बृहस्पतिवार को इस हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' देखी। यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कन्हैयालाल के दोनों बेटों यश और तरुण ने उदयपुर के एक सिनेमा हॉल में फिल्म देखी, जहां कन्हैया लाल को श्रद्धांजलि देने के लिए एक सीट आरक्षित रखी गई थी। सिनेमा हाल में यश व तरुण के बीच वाली सीट पर कन्हैयालाल की तस्वीर रखी थी।

इस फिल्म में कन्हैयालाल का सिर कलम किए जाने के हृदयविदारक दृश्य को देखकर इन दोनों की आंखें नम हो गईं और वे सुबकते दिखे। एक बेटे ने कहा,लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार फिल्म रिलीज हो गई है। तीन साल से हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन हमें अभी तक न्याय नहीं मिला है। हमें उम्मीद है कि देश के लोग आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने में हमारा साथ देंगे।

फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे दो लोगों ने एक धारदार हथियार से कन्हैया लाल की निर्ममता से हत्या कर दी। फिल्म देखने आए लोगों ने भी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने पीड़ित परिवार की प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। भारत एस. श्रीनेत द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय राज और प्रीति झंगियानी जैसे कलाकार भी हैं। उल्लेखनीय है कि जून 2022 में उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में दर्जी कन्हैया लाल की उनकी दुकान में धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी गई थी। आरोपी इस बात से नाराज बताए जा रहे थे कि कन्हैयालाल ने सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ एक पोस्ट का कथित तौर पर समर्थन किया था। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर के रख दिया था। मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करते पकड़े गये युवक को जयपुर भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान के लिये जासूसी करने के संदेह में पकड़े गये रक्षा एवं अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के गेस्ट हाउस के प्रबंधक महेंद्र प्रसाद को पूछताछ के बाद गुरुवार की रात जयपुर भेज दिया गया। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने शुक्रवार को बताया कि गत चार अगस्त को जैसलमेर के चांधन क्षेत्र में पकड़े गये महेंद्र प्रसाद से सभी सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों द्वारा पूछताछ के दौरान कई खुलासे हुए हैं।

वह पिछले पांच वर्षों से देश की सामरिक एवं गोपनीय सूचनायें सीमा पार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को भेज रहा था। उन्होंने बताया कि उसकी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सम्बन्ध होने पर उसे पूछताछ के लिए देर रात केंद्रीय जांच केंद्र, जयपुर (सीआईसी) जयपुर भिजवाया गया है। उन्होंने बताया कि जैसलमेर में सैन्य परिसरों एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में तैनात निजी एवं सविंदा में लगे हुए कर्मचारियों का प्रमाणीकरण एवं उनके बारे में जांच की जा रही हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महेंद्र प्रसाद को सीमा पार से फर्जी डीआरडीओ का अधिकारी कर्नल ए के सिंह बन कर आईएसआई से जुड़ा कर्मचारी फोन करता था। महेंद्र प्रसाद कथित कर्नल ए के सिंह के तीन अलग-अलग नम्बरों पर डीआरडीओ एवं अन्य सैन्य गतिविधियों की जानकारी कागज पर लिखकर फोटो खींच कर भिजवाता था। वह गेस्ट हाउस में आने वाले डीआरडीओ के वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और अन्य सेना एवं वायुसेना के आने वाले अधिकारियों के नाम, फोन नम्बर, किस कारण से आये हैं, इसकी गोपनीय जानकारी सीमा पार उक्त कथित कर्नल ए के सिंह को उसके बताये गये नम्बरों पर भेजता था।

सूत्रों ने बताया कि जासूस महेन्द्र प्रसाद का पिता भी काफी समय से दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर डीआरडीओ गेस्ट हाउस में कुक का कार्य करता था, बाद इसको भी पिता ने गेस्ट हाउस में कुक की नौकरी दिलवा दी बताया जाता है महेन्द्र प्रसाद गेस्ट हाउस में वर्ष 2008 से कुक की नौकरी कर रहा था। बाद में इसे प्रबंधक बना दिया गया था। वह जैसलमेर में डीआरडीओ के गेस्ट हाउस में रहने के दौरान वर्ष 2020 में आईएसआई के सम्पर्क में आया।

11 को आयोजित होगा फसल बीमा क्लेम वितरण कार्यक्रम, शिवराज सिंह चौहान होंगे मुख्य अतिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान 11 अगस्त को झुंझुनू में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को डीबीटी के माध्यम से फसल बीमा क्लेम वितरित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में जयपुर, झुंझुनू, कोटपुतली एवं सीकर जिलों के जिला कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारियों से समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ समयबद्ध व व्यवस्थित तरीके से पूर्ण की जाएं, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो। शासन सचिव ने समारोह के सफल आयोजन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय बनाते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसानों के पहुंचने, बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग की बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही चिकित्सा सुविधा के अनुकूल बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि आयुक्त सुचिन्मयी गोपाल, झुंझुनू जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविंद्र कुमार शर्मा, मुख्य लेखा अधिकारी श्रीमती कौशल्या सांकृत्य, अतिरिक्त निदेशक उद्यान हिरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुरेंद्र सिंह शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट सहित कृषि एवं उद्यान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता का विश्वास खो चुका है निर्वाचन आयोग, भाजपा के पक्ष में कर रहा है काम : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग पर जनता का विश्वास खोने और भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि पहले भारत के चुनाव आयोग की साख इतनी मजबूत हुआ करती थी कि दूसरे देश अपने यहां चुनाव करवाने के लिए भारत के चुनाव आयोग से प्रशिक्षण लेते थे, लेकिन आज भारत की जनता ही उसे शक की निगाह से देख रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अलोकतांत्रिक कृत्यों ने भारत के सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों का भी सत्यानाश कर दिया है। गहलोत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि आयोग वोट चोरी में भाजपा की मदद कर रहा है। गहलोत ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने जनता का विश्वास खो दिया है और वह भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है।

ईमानदारी है तो शपथपत्र जारी करे निर्वाचन आयोग : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का समर्थन करते हुए शुक्रवार को कहा कि आयोग में नैतिक साहस व ईमानदारी है तो वह शपथपत्र जारी करके कहे कि देश में कहीं गड़बड़ी नहीं हुई। गहलोत ने सवाल किया कि निर्वाचन आयोग और देश की सत्तारूढ़ पार्टी मिल जाएगी तो फिर लोकतंत्र कहां रहेगा?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा,''उत्तर प्रदेश, कनार्टक के निर्वाचन अधिकारी के जरिए आप (आयोग) राहुल गांधी को धमकी दिलवा रहे हैं कि आप शपथपत्र दो, उसके बाद हम जांच करेंगे।'' उन्होंने कहा,''राहुल गांधी शपथ क्या देंगे? वे तो संवैधानिक पद पर बैठे ही हैं, संविधान की शपथ लिए हैं।'' गहलोत ने कहा,''निर्वाचन आयोग में अगर नैतिक साहस है और ईमानदारी है तो उसको आम जनता के लिए शपथपत्र जारी करना चाहिए कि 'हम शपथ के साथ कहते हैं देश में किसी जगह गड़बड़ी नहीं हुई।' वह दे सकता है शपथ पत्र? देश में बहुत खतरनाक स्थिति बनाई गई है।''

उल्लेखनीय है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का डेटा सामने रखते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में हेरफेर करके वोट चोरी का यह मॉडल कई निर्वाचन क्षेत्रों में लागू किया गया है, ताकि भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचन आयोग पर पूरे लोकतंत्र का भविष्य टिका हुआ है। निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सबसे जरूरी है क्योंकि उसी से लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो मामला उठाया है उसका असर तो पूरे देश की 140 करोड़ की आबादी पर पड़ने वाला है। गहलोत ने कहा कि अगर चुनाव में 'धांधली' संस्थागत तरीके से करेंगे, निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ पार्टी मिल जाएंगे तो फिर लोकतंत्र कहां रहेगा? यह देश में बहुत खतरनाक खेल हो रहा है जिसे लेकर राहुल गांधी ने एक प्रकार से सचेत किया है। उन्होंने कहा,''कोई जमाना था जब हमारे निर्वाचन आयोग की इतनी बड़ी साख थी कि दूसरे मुल्क अपने यहां चुनाव कराने के लिए इसका सहयोग लेते थे। क्या आज वह साख बची है?''

विद्यालय एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए नवाचार और प्रतिबद्धता से करें कार्य : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर के लूणी, धवा और केरू ब्लॉक के संस्था प्रधान वाकपीठ में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। पटेल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधारना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा संस्था प्रधान विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा वाकपीठ सिर्फ औपचारिक बैठक न रहे, बल्कि यह अनुभव साझा करने और नवाचार की योजनाओं को लागू करने का मंच बने। जो भी चर्चा यहां हो, उसे विद्यालय स्तर पर अमल में लाया जाए। पटेल ने कहा कि विद्यालय की अवसंरचना, शिक्षण संसाधन, छात्र-छात्राओं के अनुशासन और परिणामों को बेहतर बनाने जैसे विषय वाकपीठ के प्रतिवेदन में प्रमुखता से शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान दिलाने के लिए विशेष रणनीति बनाई जाए। संसदीय कार्य मंत्री ने संस्था प्रधानों से आह्वान किया कि वे बिना किसी बाहरी दबाव में आए, केवल विद्यार्थियों के हित में निर्णय लें। विद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायक बनाए रखें। साथ ही विद्यालय परिसर एवं शौचालयों की नियमित सफाई करवाएं एवं वातावरण को स्वच्छ रखें। उन्होंने मातृ-पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम को बेहतर मनाने का आह्वान किया। पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकाधिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की प्रतिनियुक्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

झारखंड : आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान घायल

रांची/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कम से कम दो जवान घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना सारंडा के घने जंगल में जराइकेला के पास मानके इलाके में दोपहर के समय तब हुई जब सीआरपीएफ के जवान तलाश अभियान चला रहे थे। उन्होंने बताया कि घायल दोनों जवान सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के हैं और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रांची ले जाया गया। रांची के महानिरीक्षक (आईजी) मनोज कौशिक ने घायल जवानों से मिलने के बाद ने कहा, उन्हें छर्रे लगने से चोटें आई हैं। उनके परिवार वालों को घटना की सूचना दे दी गई है। चिकित्सकों का कहना है कि दोनों की हालत स्थिर है और वे जल्द ही ठीक हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस विस्फोट की जांच कर रही है और सुरक्षा बल नियमित आधार पर अभियान चला रहे हैं।

एटम बम नहीं बल्कि 'जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने' जैसा है राहुल का दावा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धांधली होने संबंधी अपने आरोपों के समर्थन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खुलासे का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मजाक उड़ाते हुए शुक्रवार को कहा कि यह ''जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने'' जैसा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने ज्यादातर सीटें वहीं जीतीं, जहां मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि गांधी ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं जो (लोकसभा में) नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के अधिकारियों को सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने में उनकी कथित भूमिका के लिए अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए यादव ने कहा कि पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की संख्या उस वर्ष की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनावों की तुलना में 40 लाख से अधिक बढ़ी थी और न कि एक करोड़, जैसा कि गांधी ने दावा किया है।

यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता ने आंकड़े 60 लाख तक बढ़ा दिए। उन्होंने दावा किया कि गांधी ने अपना मामला बनाने के लिए लंबे समय तक तैयारी की, लेकिन उनके आरोप का आधार ही 'गलत' निकला। भाजपा नेता ने कहा कि अब से उनके हर दावे को 60 प्रतिशत तक कम करके आंका जाना चाहिए। कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा जीती गई माढा, मोहोल, नागपुर पश्चिम और नागपुर उत्तर जैसी कई विधानसभा सीट का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। यादव ने संवाददाताओं से कहा, जो लोग महाराष्ट्र के बारे में सवाल उठाते रहते हैं, वे वही लोग हैं -- कांग्रेस और उसके सहयोगी -- जिन्होंने ज्यादातर उन सीटों पर जीत हासिल की, जहां मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। यह बात राहुल गांधी के सिद्धांत को खारिज करती है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि गांधी दावा कर रहे थे कि वह जो सबूत पेश करेंगे, वह ''एटम बम'' जैसा होगा। उन्होंने उन पर निर्वाचन आयोग के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह ''जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने'' जैसा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने त्रिपुरा के आदिवासियों के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की : साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राज्य के दो प्रतिबंधित समूहों के साथ समझौते के बाद राज्य के आदिवासियों के लिए 250 करोड़ रुपए के विशेष विकास पैकेज की घोषणा की।

साहा ने कहा कि इस धनराशि का उपयोग कमजोर और हाशिए पर मौजूद लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए किया जाएगा, जिन्हें विभिन्न मौजूदा सरकारी योजनाओं से पर्याप्त लाभ नहीं मिला है।

उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में त्रिपुरा के लिए विशेष विकास पैकेज की मौजूदा योजना के तहत एक नए घटक की घोषणा की गई।

साहा ने कहा, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) समूहों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, राज्य के आदिवासियों के विकास के लिए 250 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

दो प्रतिबंधित समूहों - एनएलएफटी और एटीटीएफ - ने पूर्वोत्तर राज्य में स्थायी शांति के लिए पिछले साल 4 सितंबर को केंद्र और राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। सिपाहीजला जिले के जम्पईजाला में 24 सितंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष 584 उग्रवादियों और उनके समर्थकों ने आत्मसमर्पण किया था।

उग्रवादियों के आत्मसमर्पण के साथ, मुख्यमंत्री और तत्कालीन पुलिस महानिदेशक अमिताभ रंजन ने पूर्वोत्तर राज्य को आतंकवाद मुक्त घोषित कर दिया था।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा, विशेष पैकेज से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आय में वृद्धि होगी।

सरकार के लिए सभी मुद्दों का समाधान करना संभव नहीं : मामा नातुंग

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नातुंग ने कहा है कि सरकार के लिए अकेले सभी समस्याओं और मुद्दों का समाधान कर पाना संभव नहीं है। समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ) की एक संवाद बैठक में बृहस्पतिवार को अंतरराज्यीय सीमा मामलों एवं आदिवासी मामलों के प्रभारी मंत्री मामा नातुंग ने कहा कि एक समय के बाद जटिल मुद्दों के समाधान में हितधारकों, विशेष रूप से सीबीओ का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। उन्होंने नशीली दवाओं की समस्या, अन्य राज्यों के साथ शांति और सद्भाव बनाए रखने जैसे मुद्दों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए समुदाय आधारित संगठनों की सराहना की। मंत्री ने उनसे अनुरोध किया कि वे आगे भी इसी उत्साह के साथ अपने कार्य में लगे रहें। आदिवासी कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस बैठक में अरुणाचल आदिवासी जनजाति मंच और राज्य के 19 समुदाय आधारित संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने अपने विचार और सुझाव साझा किए।

सिंधिया ने पूर्वोत्तर राज्यों से लॉजिस्टिक नीति अद्यतन करने का अनुरोध किया

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों से जारी सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की जानकारी प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल पर डालने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे भविष्य की योजनाओं को बेहतर तरीके से बनाने में मदद मिलेगी। सिंधिया ने इस क्षेत्र के सभी राज्यों से आग्रह किया कि वे अपनी लॉजिस्टिक नीतियों को पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा तैयार मानकों के अनुसार अद्यतन करें। संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (डोनर) सिंधिया ने बृहस्पतिवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में 'लॉजिस्टिक और बुनियादी ढांचे के जुड़ाव' विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय कार्य बल की बैठक में डिजिटल माध्यम से भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र के सभी राज्यों से पूर्वोत्तर के तीव्र आर्थिक विकास के लिए परिवहन गलियारों के साथ औद्योगिक समूह विकसित करने को भी कहा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भविष्य की परियोजनाओं की बेहतर योजना के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) की सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल पर डाला जाना चाहिए।

जब भाजपा की जीत होती है तो राहुल गांधी चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगा देते हैं : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि जब भी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत होती है तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष पहले कांग्रेस की चुनावी हार के लिए 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) को दोषी ठहरा रहे थे, लेकिन अब वह वोट चोरी की ओर इशारा कर रहे हैं। शर्मा ने बृहस्पतिवार को गांधी के उस दावे का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत के जरिये चुनावों में 'बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी' होने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि देश भर के कई निर्वाचन क्षेत्रों में 'वोट चोरी मॉडल' का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उदलगुड़ी में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा, जब राहुल गांधी चुनाव जीतते हैं, तो सब कुछ ठीक होता है। जब भाजपा जीतती है, तो वह कहते हैं कि कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा, कर्नाटक या तेलंगाना (जहां कांग्रेस सत्ता में है) में कोई 'वोट चोरी' नहीं है। जब हम जीतते हैं, तो 'वोट की चोरी' होती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने बृहस्पिवार को नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतदाता फर्जी, डुप्लिकेट या सामूहिक मतदाता पाए गए, जिनके पते अमान्य थे और यहां फार्म-6 का दुरुपयोग करके नए मतदाता बनाए गए थे।

बंगाल के मंत्री ने भाजपा से कहा कोष जारी करें, 2026 का चुनाव जीतने का सपना देखना बंद करें

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सिंचाई मंत्री मानस रंजन भुइयां ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर बीरभूम जिले में तिलपाड़ा बैराज के जीर्णोद्धार में राज्य सरकार की मदद नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य सरकार भारी बारिश के बीच जान-माल और बुनियादी ढांचे के संरक्षण के लिए तत्काल मरम्मत का काम कर रही है।

भाजपा नेताओं से 2026 में चुनाव जीतने का ''दिवास्वप्न'' देखना बंद करने को कहते हुए भुइयां ने राज्य के विपक्षी नेतृत्व से आग्रह किया कि अगर वे वास्तव में राज्य की जरूरतों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, तो वे रोके गए केंद्रीय कोष को शीघ्र जारी करने में मदद करके बंगाल के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करें।

भुइयां ने संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया कि केंद्र राज्य को मिलने वाले 1.77 लाख करोड़ रुपए के भुगतान में बाधा डालकर ''ममता बनर्जी की राह में रोड़े अटकाने'' और बंगाल की अर्थव्यवस्था को ''अस्थिर'' करने की कोशिश कर रहा है।

जीएसटी व्यवस्था मणिपुर के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है : मेघचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने शुक्रवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था राज्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि इसकी आर्थिक और बुनियादी ढांचागत स्थितियां देश के बाकी हिस्सों से काफी अलग हैं।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जीएसटी - एक राष्ट्र कर जो मणिपुर की अनूठी वास्तविकताओं को नजरअंदाज करता है। मणिपुर को राज्य जीएसटी संशोधन विधेयक के कल संसद में पारित होने के बाद गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, जीएसटी व्यवस्था ने मणिपुर जैसे राज्यों के लिए गंभीर चुनौतियां पेश की हैं, जिनकी आर्थिक और बुनियादी ढांचागत स्थितियां भारत के अन्य हिस्सों से काफी अलग हैं।

मेघचंद्र ने कहा, आठ साल बाद जब हम इसके प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि जीएसटी का 'सबके लिए एक जैसा' दृष्टिकोण मणिपुर जैसे छोटे और सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों के हितों की पूर्ति नहीं करता है।

उन्होंने कहा, जीएसटी ने राज्यों से वैट जैसे स्वतंत्र कर लगाने का अधिकार छीन लिया है। मणिपुर जैसे राज्य के लिए, इसका मतलब ऐसे समय में वित्तीय लचीलेपन का नुकसान है जब स्थानीय जरूरतें अनुकूल आर्थिक नीति की मांग करती हैं।

वांगजिंग निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने दावा किया कि स्थानीय उद्योग, कारीगर और किसान - जिनमें से कई पहले कर छूट का लाभ उठाते थे - अब एक समान जीएसटी स्लैब के बोझ तले दबे हैं और हथकरघा उत्पाद, बांस शिल्प और लघु उद्योग की वस्तुएं अब कर योग्य श्रेणियों में आ गई हैं, जिससे कीमतें बढ़ेंगी।

मेघालय में वैज्ञानिक पद्धति से कोयले का खनन शुरू, पहली खेप रवाना

नई दिल्ली/भाषा। मेघालय में वैज्ञानिक कोयला खनन शुरू होने के बाद ढुलाई की भी औपचारिक शुरुआत हो गई है। यह पूर्वोत्तर में नियंत्रित, पर्यावरण-अनुकूल एवं पारदर्शी खनन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोयला मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि मेघालय के दो कोयला ब्लॉक में खनन गतिविधियां सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए संचालित की जा रही हैं। इन ब्लॉक में सारिंगखाम-ए (पूर्व जयंतिया हिल्स) और पिंडेंगशाहलांग (पश्चिम खासी हिल्स) शामिल हैं। सारिंगखाम-ए ब्लॉक में तीन जून और पिंडेंगशाहलांग ब्लॉक में पांच जून से खनन कार्य शुरू हो गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, सारिंगखाम-ए खान से निकाले गए कोयले की पहली खेप 30 जुलाई को बरनिहाट से बिहार एवं उत्तर प्रदेश के लिए रवाना की गई। पारंपरिक खासी राजा की मौजूदगी में दो ट्रकों में भेजा गया यह कोयला सभी वैध दस्तावेजों के साथ रवाना किया गया। मेघालय में अवैध खनन और 'गुंडा टैक्स' जैसी समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए अब तक वैज्ञानिक खनन के 12 नए पट्टे दिए जा चुके हैं।

बांके बिहारी मंदिर : न्यायालय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई, असंयमित' भाषा पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को वृंदावन स्थित ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर पर एक जनहित याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों पर नाराजगी व्यक्त की और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ असंयमित भाषा के इस्तेमाल पर सवाल उठाया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा 21 जुलाई और छह अगस्त को पारित आदेशों का अवलोकन किया, जो उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर दिए गए थे, और इन आदेशों में की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने पीठ को बताया कि उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर समानांतर कार्यवाही की और आदेश में कुछ अनुचित टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय किस तरह की असंयमित भाषा का इस्तेमाल कर रहा है? जैसे राज्य सरकार ने अध्यादेश पारित करके कोई पाप किया हो। यह सब क्या है? क्या उच्च न्यायालय को यह जानकारी नहीं दी गई कि यह मामला उच्चतम न्यायालय के संज्ञान में है? न्यायमूर्ति कांत ने आगे कहा कि किसी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं हमेशा खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध होती हैं, लेकिन वर्तमान मामले में एकल न्यायाधीश ने आदेश पारित किया। पीठ ने 21 जुलाई के आदेश में की गई टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

इसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि वह अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को अन्य याचिकाओं के साथ एक खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर विचार करें। उच्च न्यायालय ने छह अगस्त को ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए एक वैधानिक न्यास के प्रस्ताव के साथ अध्यादेश लाने के राज्य सरकार के कदम की आलोचना की थी और कहा था कि राज्य ने 'पाप' किया है।

संसद को बाधित नहीं करना चाहते, लेकिन एसआईआर पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि न तो उनकी पार्टी और न ही 'इंडिया' गठबंधन के किसी घटक दल का संसद में कामकाज बाधित करने का कोई इरादा है, लेकिन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तुरंत चर्चा होनी चाहिए।

नई दिल्ली से लौटने के बाद एनएसजी बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में डायमंड हार्बर के सांसद ने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन किया। बनर्जी ने कहा कि राहुल गांधी के दावों की जांच होनी चाहिए।

हाल में लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता नियुक्त किए गए बनर्जी ने कहा, हम चाहते हैं कि सदन चले, लेकिन एसआईआर पर चर्चा किए बिना नहीं। उच्चतम न्यायालय मतदाता सूची में विसंगतियों की बात करता है, तो फिर 2024 के आम चुनाव पुरानी सूचियों का उपयोग करके कैसे कराए गए? क्या प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्री त्रुटिपूर्ण जनादेश का उपयोग करके चुने गए थे?'' बिहार चुनाव नजदीक आ रहे हैं और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव भी बस कुछ ही महीने दूर हैं, ऐसे में बनर्जी ने कम समय में एक व्यापक एसआईआर आयोजित करने की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया।

बंगाल सरकार चार अधिकारियों के निलंबन आदेश पर सोमवार तक अमल करे : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत को शुक्रवार को दिए एक ताजा नोटिस में कहा कि राज्य सरकार के चार अधिकारियों को निलंबित करने के उसके फैसले को क्रियान्वित कर कार्रवाई की अनुपालन रिपोर्ट 11 अगस्त को अपराह्न तीन बजे तक प्रस्तुत की जाए।

निर्वाचन आयोग के सचिव सुजीत कुमार मिश्रा द्वारा हस्ताक्षरित यह पत्र मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने के एक दिन बाद जारी किया गया कि वह निलंबन आदेश पर अमल नहीं करेंगी और अधिकारियों को अपना 'पहरेदार' बताते हुए नौकरशाह वर्ग को भरोसा दिलाया। इसके साथ उन्होंने निर्वाचन आयोग व राज्य सरकार के बीच टकराव के एक नए दौर की ओर इशारा किया। आयोग ने चार अधिकारियों - दो निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और दो सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) - और पश्चिम बंगाल में एक अस्थायी 'डाटा एंट्री ऑपरेटर' को निलंबित करने के फैसले की घोषणा की थी। इन अधिकारियों पर दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के बरुईपुर पूर्व और मोयना विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करते समय कथित रूप से अनियमितताएं बरतने का आरोप है। न्यायालय ने मुख्य सचिव को सभी पांच आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया तथा शीर्ष नौकरशाह से जल्द से जल्द कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। दंडित किए गए पांच राज्य सरकार के कर्मचारियों में से दो - ईआरओ के रूप में कार्यरत देबोत्तम दत्ता चौधरी और बिप्लब सरकार - डब्ल्यूबीसीएस (कार्यकारी) रैंक के अधिकारी हैं। जारी ईसीआई नोटिस में कहा गया है, आयोग को अब तक प्रत्येक अधिकारी के खिलाफ की गई विशिष्ट कार्रवाई का संकेत देने वाली कोई अनुपालन रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

ओडिशा में 'जादू-टोना' के संदेह में व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के गजपति जिले के एक गांव में जादू-टोना करने के संदेह में एक झोलाछाप चिकित्सक की हत्या के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जिले के मोहना थाना क्षेत्र के कुसुमपुर गांव में लोगों के एक समूह ने 28 जुलाई की रात करुणाकर दलाई नामक झोलाछाप चिकित्सक की पीट-पीटकर हत्या कर दी और उसके शव को पास के जंगल में दफना दिया। मामला बुधवार को सामने आया जब करुणाकर की भाभी सबिता ने मोहना थाने में शिकायत दर्ज कराई। एक दिन बाद, पुलिस ने जंगल से शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भविष्य को लेकर चेन्नई सुपर किंग्स से बात कर रहे हैं अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सीनियर आफ स्पिनर आर अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपने भविष्य को लेकर चर्चा कर रहे हैं जबकि ऐसी अटकलें हैं कि वह टीम से अलग होने की मांग कर सकते हैं।

खिलाड़ियों को बरकरार रखने (रिटेंशन) की समय सीमा में अभी दो महीने बाकी हैं और समझा जाता है कि अश्विन सीएसके के आला अधिकारियों से अपनी भूमिका को लेकर बातचीत कर रहे हैं। आईपीएल के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''किसी खिलाड़ी के भविष्य को लेकर बात करना अभी जल्दबाजी होगी। रिटेंशन की कट आफ तारीख अभी घोषित नहीं है लिहाजा हमारे पास समय है। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ियों से बात करने की योजना नीलामी से पहले की थी और सीनियर होने के नाते अश्विन इसका हिस्सा है। अगले आईपीएल सत्र से पहले टीम में भूमिका समझने के लिए यह आपसी बातचीत है। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले 38 वर्ष के अश्विन को चेन्नई ने 2025 मेगा नीलामी में नौ करोड़ 75 लाख रूपये में खरीदा था। चेन्नई के रहने वाले अश्विन 2009 से 2015 तक इसी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने इस साल आईपीएल में नौ मैच खेलकर सात ही विकेट लिए। चेन्नई चार जीत और 10 हार के बाद आखिरी (दसवें) स्थान पर रही। ऐसी अटकलें हैं कि चेन्नई विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को ले सकती है जो राजस्थान रॉयल्स छोड़ना चाहते हैं।

बिहार में भाजपा नेता लालू से भी 'अधिक भ्रष्ट' हैं : प्रशांत किशोर

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को बिहार के स्वास्थ्य विभाग में ''गंभीर अनियमितताओं'' का दावा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा के नेता राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से अधिक भ्रष्ट हैं। बिहार में राजग शासनकाल में यह विभाग लगातार भाजपा के पास रहा। किशोर ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे पर सीधा हमला किया और उन पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के साथ मिलकर एक-दूसरे को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। मंगल पांडे भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। किशोर ने आरोप लगाया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने लगभग 28 लाख रुपए प्रति एम्बुलेंस की कीमत पर '1,200 एम्बुलेंस' का ऑर्डर दिया था, जो ओडिशा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों द्वारा दी जा रही कीमत से लगभग दोगुना है।

सुविचार

शिक्षा वो हथियार है जिससे हम समाज को बदल सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वीरगाथा: पाठ्यक्रम में योद्धाओं का सम्मान

एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में फील्ड मार्शल मानेकशॉ, मेजर सोमनाथ शर्मा, ब्रिगेडियर उस्मान जैसे महान योद्धाओं पर आधारित अध्यायों को शामिल किए जाने का फैसला सराहनीय है। इससे विद्यार्थियों में साहस और कर्तव्य की भावना पैदा होगी। उन्हें मालूम होगा कि जो आज़ादी हमें मिली है, उसे कायम रखने के लिए अनेक योद्धाओं ने बलिदान दिए हैं। इस देश की अखंडता की रक्षा के लिए अनेक सैनिक विकट परिस्थितियों में हमेशा तैनात रहते हैं। कुछ इतिहासकारों ने पक्षपातपूर्ण लेखन कर विदेशी आक्रांताओं को महान घोषित कर दिया। उन्होंने भारतीय योद्धाओं की उपेक्षा करते हुए विद्यार्थियों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश की कि 'हम तो सदैव हारते रहे हैं, बाहर से जो भी हमलावर यहां आया, वह हुकूमत करता रहा।' इससे विद्यार्थियों के मन पर कैसा असर होता है? क्या यह पढ़कर वे शक्ति और साहस के धनी बन सकेंगे? विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जुआ, सट्टा और अमर्यादित जीवन जीने की सीख देने वाले कथित सेलिब्रिटी के बजाय भारत के उन योद्धाओं को अपना आदर्श मानें, जिन्होंने देश के लिए बड़े बलिदान दिए हैं। आज कितने नौजवान हैं, जो मेजर सोमनाथ शर्मा के बारे में जानते हैं? उन्होंने वर्ष 1947 में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया था। आज जम्मू-कश्मीर पर तिरंगा लहरा रहा है, तो इसका श्रेय मेजर सोमनाथ शर्मा और उन सभी त्यागी एवं बलिदानी योद्धाओं को देना चाहिए, जो अपनी जान की परवाह न करते हुए रणभूमि में कूद पड़े थे। अब फील्ड मार्शल मानेकशॉ के बारे में बहुत लोग जानते हैं। इसकी एक वजह उनके जीवन पर बनी फिल्में हैं। उनके भाषण सोशल मीडिया पर सुने जाते हैं। वे बहादुर योद्धा तो थे ही, अद्भुत रणनीतिकार भी थे। उनके नेतृत्व में सेवाएं दे चुके सैनिक बताते हैं कि उन्हें सुनकर मन में ऐसा जोश उमड़ता था कि हम बड़े से बड़े दुश्मन को शिकस्त दे सकते हैं।

ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। वे वीरता के साथ ही मानवता की मिसाल थे। उन्हें नौशेरा के शेर के नाम से जाना जाता था। जब उनकी उम्र सिर्फ 12 साल थी, तो एक बच्चा कुएं में गिर गया था। उसे बचाने के लिए उस्मान ने छलांग लगा दी और सुरक्षित निकाल लाए थे। जब विद्यार्थी इस घटना के बारे में पढ़ेंगे तो उनमें अपने देशवासियों की मदद करने की भावना पैदा होगी। उस्मान सेना में भर्ती होना चाहते थे। उन्हें बलोच रेजिमेंट में तैनात किया गया था। भारत-पाक बंटवारे के दौरान पाकिस्तानी नेताओं ने उन्हें ऊंचे ओहदे जैसे कई प्रलोभन देकर बुलाना चाहा, लेकिन उस्मान ने उनके प्रस्ताव ठुकरा दिए थे। इसके बाद उस्मान डोगरा रेजिमेंट में आ गए थे। नफरत की आग में जल रहा पाकिस्तान किसी भी कीमत पर जम्मू-कश्मीर को हड़पना चाहता था। उसने घुसपैठियों के साथ खुद की फौज को भी लूटमार और कत्ले-आम करने के लिए भेजा था। जब ब्रिगेडियर उस्मान और उनके साथियों ने मोर्चा संभाला तो दुश्मन के कई जवानों को मार गिराया था। इससे पाकिस्तानी जनरल भड़क उठे थे। उनके इरादों के सामने ब्रिगेडियर उस्मान मजबूत दीवार बनकर खड़े थे। दुश्मन फौज ने उन पर 50 हजार रुपए का इनाम तक घोषित कर दिया था, जो उस समय बहुत बड़ी रकम होती थी। उस्मान 3 जुलाई, 1948 को जब शहीद हुए तो अपने जवानों को यह कहते हुए आखिरी सांस ली कि 'हम तो जा रहे हैं, लेकिन जमीन के एक भी टुकड़े पर दुश्मन का कब्जा न हो पाए।' बहुत कम लोगों को इस बात का पता होगा कि ब्रिगेडियर उस्मान अपनी कमाई का एक हिस्सा अनाथ और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते थे। ऐसे बलिदानी हमारे देश के सच्चे नायक हैं, जिनसे सबको शिक्षा लेनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

एनसीआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान विषय की किताब में तत्कालीन राजस्थान के भूभागों को मराठा साम्राज्य के नक्शे में दिखाए जाने पर मेरा माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी से गंभीर विमर्श हुआ है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

पूज्य श्री बालनाथ जी महाराज की समाधि के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया तथा दिव्य शांति की अनुभूति ली। आश्रम के परम पूज्य महंत श्री बस्तीनाथ जी का आशीर्वाद एवं आत्मीय सान्निध्य मिला। भगवान महादेव का जलाभिषेक कर समस्त प्रदेशवासियों के कल्याण,की कामना की।

-मदन दिलावर

अंग्रेजों भारत छोड़ो का गगनभेदी नारा केवल एक विरोध नहीं था, बल्कि यह आज़ादी की अंतिम और निर्णायक पुकार बन गया। आज हम उन वीर सेनानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता का सूरज दिखाया।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

लोभ का कांटा

एक बार अवधूत दत्तात्रेय नदी के किनारे टहल रहे थे। उन्होंने देखा कि एक मछुआरा नदी के तट पर बैठा था और वह लोहे के बने एक छोटे कांटे पर मांस का टुकड़ा लगा रहा था। दत्तात्रेय ने उससे पूछा, 'भैया, तुम यह मांस कांटे पर क्यों लगा रहे हो?' मछुआरे ने उत्तर दिया, 'मैं इस मांस के टुकड़े को पानी में डाल दूंगा। मांस के लालच में मछली उस कांटे पर झपटेगी, और कांटे से उसका मुंह फंस जाएगा। तब मैं उसे पकड़ लूंगा।' दत्तात्रेय ने पुनः पूछा, 'यदि मछली मांस निगलकर कांटा उगल भी दे, तो वह कैसे फंसेगी?'

मछुआरे ने हंसते हुए कहा, 'बाबा, क्या आप इतना भी नहीं जानते कि विषयों को निगलना तो आसान है, पर उन्हें उगलना अत्यंत कठिन।' यह सुनते ही दत्तात्रेय जी को शास्त्र का वचन याद आ गया कि जब प्राणी लोभ, लालच, मोह और ममता के जाल में फंस जाता है, तो वह दुखों के सागर में डूब जाता है। वह भले ही सांसारिक सुखों को दुख का कारण जान ले, फिर भी उनसे मुक्ति का मार्ग खोज नहीं पाता।

सामयिक

एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है, पर यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव की गहन जीवनशैली है। जैन आचार्य और तपस्वियों ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि जीव मात्र में आत्मा है, और प्रत्येक आत्मा पूज्य है। यही कारण है कि जैन मुनि पांव में चप्पल नहीं पहनते, चलते समय झाड़ू से मार्ग बुहारते हैं ताकि कोई सूक्ष्म जीव भी अनजाने में आहत न हो। इतिहास में ऐसे असंख्य प्रसंग मिलते हैं जब राजाओं ने भी जैन धर्म के प्रभाव में आकर हिंसा का त्याग किया और जीवदया के लिए गोशालाएं, पक्षीचिकित्सालय और जलाशय बनवाए।

स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

मोबाइल : 9967296666

नांदणी जैन मठ की गजलक्ष्मी हथिनी माधुरी, जो 35 वर्षों से मठ की सेवा में थी, को पेटा की याचिका पर जामनगर भेजा गया था, जिससे जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। न केवल महाराष्ट्र में, बल्कि समूचे जैन समाज में व्याप्त आक्रोश को देखते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने इसमें दखल दिया और उसकी पहल पर याचिका दायर करने और आपराधिक मामलों को वापस लेने की घोषणा के साथ माधुरी की घर वापसी संभव हो गई है। निश्चित ही यह फडणवीस सरकार का एक संवेदनशील एवं सूझबूझभरा निर्णय है, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है क्योंकि माधुरी, नांदणी जैन मठ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और जैन समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। मैं कोई साधारण प्राणी नहीं। मैं उन हजारों श्रद्धालुओं की भावनाओं का मूर्तरूप हूं, जिन्होंने मुझे केवल देखा नहीं, बल्कि पूजा है। यदि माधुरी' बोल सकती, तो शायद यही कहती, क्योंकि उसका मौन, उसका निर्विकार भाव, उसके नेत्रों में बसी करुणा, इन सबने वर्षों तक नांदणी जैन मठ को जीवंत रखा। वह एक जीव नहीं, धर्म की आत्मा बनकर असंख्य श्रद्धालुओं की संवेदनाओं, आस्था एवं भक्ति से जुड़ी थी

नांदणी जैन मठ की यह गजलक्ष्मी हथिनी। वह केवल एक वन्य प्राणी नहीं, वह जैन धर्म में जीव मात्र के प्रति करुणा के अमूल्य सिद्धांत का सजीव प्रतीक है। उसका मठ में रहना, उसका पूजन, उसकी सेवा, यह सब किसी हिंसक बंधन का परिणाम नहीं था, बल्कि धार्मिक समर्पण की अभिव्यक्ति थी। पेटा जैसी संस्थाएं केवल जीव के शरीर को देखती हैं, उसकी आत्मा, उसके सांस्कृतिक स्थान और परंपरा में निहित गरिमा को नहीं। यही कारण था कि उसकी जबरन वनतारा में रवानगी केवल एक स्थानांतरण नहीं, बल्कि धर्म के हृदय पर आघात था।

माधुरी प्रकरण ने एक जटिल प्रश्न को जन्म दिया, क्या धर्म अब भी स्वतंत्र है, या वह राजनीतिक और कानूनी भूलभुलैया में उलझ चुका है? क्या जीवों की सेवा और उनके साथ प्रेम का संबंध, कानून की अंधी परिभाषाओं से परे नहीं देखा जा सकता? राजनीतिक हस्तक्षेप ने बार-बार धर्म की गरिमा को चुनौती दी है परंतु इस बार महाराष्ट्र सरकार, विशेषतः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जो निर्णय लिया, वह सराहनीय, साहसी और धर्म-समभाव से प्रेरित प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका, दर्ज प्रकरणों की वापसी की घोषणा, ये निर्णय केवल न्यायिक नहीं, आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित प्रतीत होते हैं।

जैन धर्म का मूल आधार है पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व और जीवों के प्रति अहिंसक व्यवहार। यह दर्शन मात्र प्रवचनों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनचर्या का अंग है। माधुरी उसी जीवनचर्या की प्रतिछाया थी। उसकी देखभाल, सेवा, पूजा-इन सबके माध्यम से नांदणी मठ ने पीढ़ियों को यह सिखाया कि एक जीव के साथ कैसा प्रेममय आत्मीय रिश्ता हो सकता है। जब उसे वनतारा ले जाया गया, तो यह केवल एक हथिनी का मठ छोड़ना नहीं था, बल्कि पर्यावरण-धर्म की एक जीवित पाठशाला का अवसान था। जिस समाज ने माधुरी को देवीतुल्य सम्मान दिया, वह समाज उसके हरण को केवल कानूनी आदेश नहीं मान सकता था। यह जनआस्था की, सामूहिक करुणा की और धार्मिक सम्मान की सामूहिक पराजय थी। परंतु अब, जब पुनः माधुरी की वापसी की संभावना जीवित हुई है, तो यह धर्म और न्याय की संयुक्त विजय है। माधुरी केवल एक हथिनी नहीं, वह मठ की आत्मा की भौतिक अभिव्यक्ति है, यही इस समूचे विमर्श का सार है। यह केवल माधुरी की वापसी की बात नहीं, बल्कि उस सम्मान की पुनर्स्थापना है जो सेवा, करुणा और जीवदया में निहित है।

वर्तमान युग में सरकारों का धार्मिक मामलों में संवेदनशीलता दिखाना दुर्लभ है परंतु फडणवीस सरकार का यह निर्णय दर्शाता है कि जब शासन तंत्र, न्याय प्रणाली और धार्मिक समुदाय मिलकर कार्य करें, तो न्याय और श्रद्धा का नया युग संभव है। सरकार द्वारा इस प्रकरण में आयोजित अति संवेदनशील बैठक में जहां विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, मैं भी इस बैठक का हिस्सा बना। निश्चित ही बैठक में राज्य सरकार का यह प्रयास एवं निर्णय की सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका और प्रकरण वापसी की घोषणा, एक संवेदनशील लोकतंत्र की परिपक्व पहचान है। यह दर्शाता है कि सरकार न केवल कानून का पालन करती है, बल्कि समाज की आत्मा की धड़कन भी सुनती है। अब सरकार के प्रयासों से जब माधुरी मठ लौटेगी, तो वह अकेली नहीं होगी। उसके साथ लौटेगा धर्म का सम्मान, श्रद्धा का पुनर्निर्माण, करुणा का पुनराविष्कार और पर्यावरण के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की प्रेरणा। वह लौटेगी तो धर्म केवल ग्रंथों में नहीं, जीवन में दिखाई देगा। वह लौटेगी तो हर जैन मठ, हर मंदिर, हर जीवात्मा को यह भरोसा मिलेगा कि श्रद्धा और न्याय को कुछ समय के लिए विलंबित किया जा सकता है, पर पराजित नहीं

माधुरी की वापसी केवल एक हथिनी की वापसी नहीं, वह समूचे मानवता की संवेदना की विजय है। महाराष्ट्र सरकार अपने इस निर्णय के लिए धन्यवाद की पात्र है। धन्यवाद के पात्र वे भी हैं जिन्होंने माधुरी की करुण पुकार को न्याय में परिवर्तित करने का यत्न किया। माधुरी का सम्मान और धर्म का योगदान केवल किसी एक जीव के प्रति सहानुभूति का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की संवेदनाओं की कसौटी है। राजनीति को यदि जनभावनाओं की सच्ची प्रतिनिधि बनना है, तो उसे केवल वोट और शक्ति के गणित से नहीं, बल्कि समाज की आत्मा से संवाद करना होगा। माधुरी प्रकरण में महाराष्ट्र सरकार ने जिस तरह धार्मिक अस्मिता और जनसंवेदनाओं का सम्मान करते हुए न्यायोचित हस्तक्षेप किया, वह एक अनुकरणीय दृष्टिकोण है, जिसमें धर्म को न राजनीति का उपकरण बनाया गया और न उपेक्षा की गई, बल्कि उसे संवेदना और संस्कृति की धुरी मानकर संजोया गया। यही वह राह है, जिससे राजनीति जनसेवा और धर्म, जनमानस की आत्मा बन सकते हैं।

जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है, पर यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव की गहन जीवनशैली है। जैन आचार्य और तपस्वियों ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि जीव मात्र में आत्मा है, और प्रत्येक आत्मा पूज्य है। यही कारण है कि जैन मुनि पांव में चप्पल नहीं पहनते, चलते समय झाड़ू से मार्ग बुहारते हैं ताकि कोई सूक्ष्म जीव भी अनजाने में आहत न हो। इतिहास में ऐसे असंख्य प्रसंग मिलते हैं जब राजाओं ने भी जैन धर्म के प्रभाव में आकर हिंसा का त्याग किया और जीवदया के लिए गोशालाएं, पक्षीचिकित्सालय और जलाशय बनवाए। भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन जीवों के प्रति करुणा का आदर्श है, उन्होंने कहा, सव्वे पाणो पियायरा यानी सभी प्राणी प्रिय हैं। यही भाव आगे चलकर जैन समाज की सामाजिक संरचना में गहराई से समाहित हो गया। आज भी जैन धर्म के अनुयायी जीवों के कल्याण के लिए सेवा प्रकल्पों में अग्रणी हैं, चाहे वह बीमार पक्षियों के लिए चिकित्सालय हों, घायल जानवरों के लिए रेस्क्यू सेंटर हों, या निराश्रित पशुओं के लिए आश्रय स्थल।

माधुरी जैसी एक हथिनी का मठ में पूज्य स्थान पाना, उसकी सेवा और सुरक्षा में समाज का समर्पण, यही तो जीवदया की उस परंपरा का जीवंत प्रमाण है जो अतीत से वर्तमान तक निरंतर बहती रही है। जैन धर्म का यह दृष्टिकोण हमें केवल मनुष्यों से प्रेम नहीं सिखाता, बल्कि सृष्टि के हर कण में बसते जीवन के प्रति करुणा का भाव विकसित करता है। यही करुणा, यही संवेदना धर्म को जीवंत बनाती है और मानवता को दिव्यता की ओर ले जाती है।

नजरिया

रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होते, वे विचार होते हैं, भावना होते हैं। आज का रक्षाबंधन हमें यह सीख देता है: कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती है। कि रिश्ते खून से नहीं, भावना से बनते हैं। कि प्रकृति, समाज और देश भी हमारी रक्षा के हकदार हैं। और यह कि महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है। रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, एक दार्शनिक ष्टिकोण है - जो कहता है कि प्रेम, समर्पण और समानता से ही समाज और रिश्ते टिक सकते हैं।

रक्षाबंधन के बदलते मायने : परंपरा से आधुनिकता तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत विविधताओं से भरा देश है, जहां हर त्यौहार न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक होता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं में से एक विशेष पर्व है - रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक है। लेकिन बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ-साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह बदलाव केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, इसके उद्देश्य और इसके सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूं को भेजी गई राखी, यह पर्व सदा से रक्षक और संरक्षित के बीच एक नैतिक संकल्प का प्रतीक रहा है। पहले के समय में राखी केवल भाई-बहन के खून के रिश्ते तक सीमित थी। बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई जीवनभर उसकी रक्षा करने का वचन देता था। यह रिश्ता स्नेह, विश्वास और समर्पण से भरा होता था। अब रक्षाबंधन का दायरा केवल खून के रिश्तों तक सीमित नहीं रहा। आज कई महिलाएं अपने दोस्तों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहां तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह दर्शाता है कि रक्षा अब केवल एक व्यक्ति विशेष का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंधों की व्यापक जिम्मेदारी बन चुका है। इसका सबसे सुंदर उदाहरण है कि अब बहनें भी अपने छोटे भाइयों को कहती हैं - मैं भी तेरी रक्षा करूँगी। यानी सुरक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा, यह परस्पर बन गया है।

तकनीक ने आज रिश्तों के समीकरण ही बदल दिए हैं। पहले जहां राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, अब एक क्लिक में डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल सेरेमनी हो रही हैं। विदेशों में बसे भाई-बहन अब भले दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल पर राखी बाँधने की परंपरा, स्क्रीन पर तिलक और डिजिटल मिठाई ने एक नई तरह की जुड़ाव की भावना पैदा की है। कुछ लोग भले इसे भावनाओं की कमी कहें, लेकिन सच्चाई यह है कि तकनीक ने दूरी को पाटने का जरिया भी दिया है। पहले रक्षाबंधन पर भाई बहन को मिठाई और उपहार देता था। यह एक तरह से प्रेम की अभिव्यक्ति थी। लेकिन अब कई बहनें कहती हैं - भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ी सी फुर्सत चाहिए, समय चाहिए, समझ चाहिए। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग और बराबरी की भागीदारी चाहती है।

उपहार की जगह अब रिश्तों में पारदर्शिता, संवाद और समय की मांग अधिक हो गई है।

पुराने जमाने में रक्षाबंधन का अर्थ था - भाई बहन की रक्षा करेगा। परंतु आज यह परिभाषा बदल रही है। लड़कियाँ भी आज आत्मनिर्भर हैं, अपने भाइयों की मदद कर रही हैं, उन्हें मानसिक और आर्थिक संबल दे रही हैं। रक्षाबंधन अब यह नहीं कहता कि केवल भाई ही रक्षक होगा, बल्कि यह दर्शाता है कि भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की ज़िंदगी में सुरक्षा, समर्थन और प्रेरणा बन सकते हैं। आज के समय में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का पर्व नहीं रहा, यह प्रकृति की रक्षा, सामाजिक सौहार्द और समानता का प्रतीक भी बन चुका है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा चल पड़ी है - वृक्ष-रक्षा बंधन। बच्चें और महिलाएं वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश दे रही हैं कि हम केवल मानव की नहीं, प्रकृति की भी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह से सैनिकों को राखी भेजना यह बताता है कि देश की रक्षा करने वाले वीरों के साथ भी हम भावनात्मक रूप से जुड़े हैं।

बहनें अब केवल रक्षा की याचक नहीं, बल्कि स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और संवेदनशील भी हैं। कई परिवारों में बहनें ही भाइयों की आर्थिक, शैक्षणिक या सामाजिक मदद कर रही हैं। यह बदलाव यह संकेत करता है कि रक्षाबंधन अब पौरुष और स्त्रीत्व के सांचे से बाहर निकल कर इंसानी मूल्यों और बराबरी के धरातल पर खड़ा हो रहा है। आज के इस व्यस्त जीवन में भावनाओं की अभिव्यक्ति के तरीके भले बदल गए हों, लेकिन उनकी अहमियत कम नहीं हुई है। भाई-बहन अब केवल राखी के दिन नहीं, सालभर एक-दूसरे के जीवन में सहयोगी बने रहते हैं। रक्षाबंधन एक बहाना है उन रिश्तों को फिर से जीने का, जिनमें कभी झगड़े थे, कभी मिठास, कभी नाराज़गी और कभी अपार स्नेह। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि रिश्ते बनाए नहीं जाते, निभाए जाते हैं।

आज रक्षाबंधन केवल हिंदू धर्म या भारतीय संस्कृति तक सीमित नहीं रहा। यह पर्व अब सांप्रदायिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी बन चुका है। कई जगह मुस्लिम लड़कियाँ हिंदू भाइयों को राखी बाँधती हैं, ईसाई बच्चे सैनिकों को राखी भेजते हैं - यह सब इस बात का संकेत हैं कि रक्षा का संकल्प मानवता का संकल्प है, न कि केवल किसी धर्म, जाति या समुदाय का।

रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होते, वे विचार होते हैं, भावना होते हैं। आज का रक्षाबंधन हमें यह सीख देता है: कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती है। कि रिश्ते खून से नहीं, भावना से बनते हैं। कि प्रकृति, समाज और देश भी हमारी रक्षा के हकदार हैं। और यह कि महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है। रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, एक दार्शनिक दृष्टिकोण है - जो कहता है कि प्रेम, समर्पण और समानता से ही समाज और रिश्ते टिक सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विदेशी सामान खरीदने की कीमत देश आतंकवाद के रूप में चुकाता है : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि विदेशी सामान को खरीदने की कीमत देश को आतंकवाद के रूप में चुकानी पड़ती है। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जब स्वदेशी वस्तुएं खरीदी जाती हैं तो पैसा भारत के कारीगरों और उद्यमियों के पास जाता है जिससे देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि जब विदेशी वस्तुएं खरीदी जाती हैं, तो पैसा विदेश जाता है और बाद में देश को आतंकवाद के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव' के समापन समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, जब देश आजादी की लड़ाई में आगे बढ़ रहा था तब महात्मा गांधी ने प्रत्येक व्यक्ति को स्वदेशी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया था। स्वदेशी हमारे जीवन का उद्देश्य बनना चाहिए, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बनना चाहिए। हमें स्वदेशी के लिए जीना चाहिए और देश के लिए मरना चाहिए। यदि भारत राष्ट्रवाद की इस पराकाष्ठा के साथ आगे बढ़ता है, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत का कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी।

कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'काकोरी ट्रेन एक्शन' में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट उपहार के रूप में दिए। इसके बाद उन्होंने संग्रहालय में सेल्फी और तस्वीरें खिंचवाईं।

मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को भी मंच पर सम्मानित किया, जबकि 'काकोरी ट्रेन एक्शन' की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें काकोरी ट्रेन कार्रवाई की उस घटना को प्रस्तुत किया गया।

आदित्यनाथ ने कहा, त्योहार शुरू हो रहे हैं। जब हम स्वदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो वह पैसा हमारे कारीगरों और उद्यमियों के पास जाता है। उनके पास जाने वाला पैसा देश के विकास में खर्च होगा, देश के उत्थान में खर्च होगा और देश की समृद्धि में निवेश किया जाएगा। लेकिन जब हम विदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो हम केवल पैसा ही नहीं चुकाते, हम बाद में आतंकवाद के रूप में उसकी कीमत चुकाते हैं और उसका दंश झेलने को मजबूर होते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश और देश के लोगों से दो अक्टूबर को गांधी आश्रम से खादी की वस्तुएं खरीदने का आग्रह किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी (लखनऊ शहर के पास स्थित एक क्षेत्र) में महान क्रांतिकारियों ने लोगों के खून-पसीने से कमाए गए उस खजाने को ब्रिटिश हुकूमत से छीन लिया था जिसे वह ब्रिटेन ले जाने के फिराक में थी। उन्होंने कहा, 1927 में इस आंदोलन का नेतृत्व करने वाले रामप्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दे दी गई, जबकि अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और अन्य क्रांतिकारियों को सुनवाई का अवसर दिए बिना ही अलग-अलग जेलों में फांसी पर लटका दिया गया। आदित्यनाथ ने कहा, चंद्रशेखर आजाद तत्कालीन सरकार की पकड़ में नहीं आ सके और उन्होंने स्वयं अंग्रेजों से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की। आज शताब्दी समारोह में उन्हें याद करने का अवसर है, जो हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने वर्षों की अमेरिका-भारत साझेदारी को जोखिम में डाल दिया: अमेरिकी सांसद

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी संसद के एक सदस्य ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है।

प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका के भारत के साथ ''गहरे रणनीतिक और आर्थिक'' तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध हैं।

मीक्स डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद हैं और वह 'हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेम्स' के रैंकिंग सदस्य भी हैं। मीक्स ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को प्रगाढ़ करने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है। उन्होंने कहा, चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप परस्पर सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

पिछले सप्ताह घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर बुधवार को 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया, जिससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह अमेरिका द्वारा किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। यह अतिरिक्त शुल्क 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा।

इस बीच, न्यूयॉर्क स्थित भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और भू-राजनीतिक विशेषज्ञ अल मेसन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुभवी राजनेता एवं कुशल रणनीतिकार हैं तथा उन्होंने ऐसी मित्रता विकसित की है जो औपचारिक कूटनीति से कहीं आगे जाती है।

मेसन ने कहा, यह केवल हाथ मिलाना और तस्वीरें खिंचवाना नहीं है - यह सोच का संगम है। दोनों समझते हैं कि नेतृत्व का मतलब टकराव से बचना नहीं, बल्कि स्पष्टता और उद्देश्य के साथ उसका सामना करना है। उन्होंने कहा, वैश्विक राजनीति के मंच पर, विश्व के नेताओं के बीच सच्चे रिश्ते अकसर ऐतिहासिक फैसलों के पीछे की शांत शक्ति होती है।

मेसन ने कहा, समय के साथ बने ये रिश्ते टकराव से अछूते नहीं रहते, लेकिन ये इसलिए कायम रहते हैं कि ये परस्पर सम्मान और अपने राष्ट्रों की सेवा करने की साझा इच्छा पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मोदी ''ऐसे ही दो नेता हैं। मेसन ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के राजनीतिक दृष्टिकोण को दरकिनार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, उनके (दोनों देशों) रणनीतिक हित आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं और उनकी साझेदारी केवल सुविधा की बात नहीं है, बल्कि यह एक भू-राजनीतिक जरूरत है। तेजी से ध्रुवीकृत होती दुनिया में, उनके गठजोड़ की मजबूती न केवल द्विपक्षीय परिणामों को, बल्कि वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श को भी आकार देगी।

चीन ने 1962 के युद्ध में लगभग 38,000 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा किया था : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के अंत में, चीन ने लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भू-भाग पर ''अवैध कब्जा'' किया था। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा, लंबित सीमा विवाद के समाधान के लिए पिछले कुछ वर्षों में चीन के साथ द्विपक्षीय स्तर पर कई पहल की गई है। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत सरकार के पास ''1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान चीन द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों'' के बारे में कोई आंकड़ा है।

साथ ही, यह भी पूछा गया था कि युद्ध के दौरान गंवाये गए इन क्षेत्रों को वापस लेने के लिए 1962 के बाद से चीन के साथ क्या कोई कूटनीतिक कोशिश की गई और उस वार्ता में कितनी प्रगति हुई है।

सिंह ने बताया, 1962 के युद्ध के अंत में, चीन ने लगभग 38,000 वर्ग किमी भारतीय भू-भाग पर अवैध कब्जा कर रखा था। उन्होंने बताया कि जून 1981 में चीनी विदेश मंत्री हुआंग हुआ की नई दिल्ली यात्रा के बाद, भारत और चीन ने दिसंबर 1981 से नवंबर 1987 तक सचिव स्तर पर औपचारिक सीमा वार्ता के ''आठ दौर'' आयोजित किए।

सिंह ने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 19 से 23 दिसंबर 1988 की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने सीमा विवाद पर भारत-चीन संयुक्त कार्य समूह के गठन की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 1989 से 2005 के बीच संयुक्त कार्य समूह की कुल ''15 दौर'' की बैठकें हुईं।

विजेता

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में होने वाले विश्व खेल 2025 में ओरिएंटियरिंग स्पर्धा की महिलाओं की मध्य दूरी की विजय समारोह के दौरान स्विटजरलैंड की स्वर्ण पदक विजेता सिमोना एबरसोल्ड (बीच में), स्लोवाकिया की रजत पदक विजेता टेरेज़ा स्मेलिकोवा (बाएं) और स्वीडन की कांस्य पदक विजेता अल्वा सोनेसन।

'जटाधारा' का टीजर जारी, सामने आया सोनाक्षी सिन्हा का रौद्र रूप

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की सुपरनैचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जटाधारा' का टीजर फिल्म मेकर्स ने शुक्रवार को रिलीज कर दिया है। इसमें सोनाक्षी का खास लुक सबको आकर्षित कर रहा है। सोनाक्षी ने टीजर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, बलिदान से जन्मा एक नायकऔर लालच से पनपा अंधकार, टकराव की शुरुआत हो चुकी है'जटाधारा' का टीजर अब जारी हो गया है। टीजर में सोनाक्षी आकर्षक अवतार में दिखती हैं। गहने, गहरे काजल से सजी आंखें, लाल बिंदी और माथे पर तिलक में अभिनेत्री का रौद्र रूप दिख रहा है। 'जटाधारा' में सोनाक्षी का एक अलग ही अवतार देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में सुधीर बाबू भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। टीजर में सुधीर और सोनाक्षी एक-दूजे से भिड़ते दिख रहे हैं। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है।

फिल्म के टीजर ने दर्शकों के मन में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है; अब दर्शकों को इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। फिल्म की कहानी के बारे में अन्य जानकारी फिल्म के ट्रेलर में देखने को मिलेगी। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर इंस्टाग्राम पर जारी किया था, जिसमें सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा का अलौकिक अवतार दिखाई दिया था। इंस्टाग्राम पर मेकर्स ने पोस्टर का लुक पोस्ट करते हुए लिखा था, इंतजार खत्म, गवाह बनिए पौराणिकता के शानदार विजुअल से भरी जटाधारा का! सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा और भगवान शंकर की एक झलक स्क्रीन पर आग लगा रही है। प्रेरणा अरोड़ा इंडियन सिनेमा को फिर से परिभाषित करने जा रही हैं। फिल्म को जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस किया है। इसे एस के जी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म में कमाल के वीएफएक्स देखने को मिलेंगे। म्यूजिक जी म्यूजिक कंपनी पर रिलीज होगा।

गुरमीत और देबिना, प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता गुरमीत चौधरी और देबिना बोनर्जी, दोनों हाल ही में परिवार संग छुट्टियां मनाने मथुरा पहुंचे। वहां उन्होंने वृंदावन के आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। इस कपल ने मंदिरों के दर्शन से लेकर आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज जी से मुलाकात भी की। गुरमीत और देबिना की यह यात्रा आशीर्वाद, भक्ति और खास पलों से भरी रही। दोनों ने इंस्टाग्राम पर इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ झलकियां साझा कर पोस्ट में लिखा, मथुरा ने हमें इतना प्यार और आशीर्वाद दिया! यह यात्रा हमारे लिए बहुत शानदार रहीवृंदावन होम टावर्स में ठहरने से लेकर 'हरे राम हरे कृष्ण' की मधुर धुनें सुनने तक, सब कुछ बहुत शांतिपूर्ण और प्रेम से भरा हुआ था। हमें खुशी है कि हमारे छोटे बच्चे मंदिरों को देख सके और वहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस कर पाए। हमें प्रेमानंद महाराज जी से मिलने का भी अवसर मिला, जिनकी बातें हमारे दिल को छू गईं। इस सुंदर जीवन के लिए दिल से आभारी हूं। धन्यवाद, मथुरा!

तस्वीरों में गुरमीत और देबिना अपने बच्चों के साथ मंदिरों के अंदर आशीर्वाद लेते और तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह भगवान कृष्ण की मूर्ति को झूला झुला रहे हैं और एक गाय को चारा खिला रहे हैं। एक क्लिप में प्रेमानंद महाराज जी गुरमीत को शांति और श्रद्धा के साथ भगवान का नाम जपने की सलाह देते नजर आए। फिलहाल गुरमीत और देबिना रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं। इससे पहले गुरमीत और देबिना ने आईएएनएस से बातचीत की थी। जिसमें अभिनेता से इस शो को करने की वजह पूछी गई। अभिनेता ने कहा, यह सब मजे के लिए किया और ये असल जिंदगी की बहसों से बचने का एक तरीका भी था।

गुरमीत ने कहा, मेरे लिए तो बड़ी वजह देबिना है। हम दोनों हमेशा शूटिंग में व्यस्त रहते हैं, और ये एक अच्छा मौका है कि हम 24 घंटे एक-दूसरे के साथ रहेंगे। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, फिर चाहे लड़ाई क्यों न हो जाए, और अगर लड़ाई कैमरे के सामने हो जाए, तो घर पर झगड़े नहीं होंगे, क्योंकि सच बताऊं तो मेरे अंदर घर पर देबिना से बहस करने की हिम्मत नहीं है। 'पति पत्नी और पंगा' शो की मेजबानी एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी कर रहे हैं। यह शो 2 अगस्त को कलर्स टीवी पर शुरू हुआ।

म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' गुरुवार को रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है। अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले! सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी। अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई।

अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ 'बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा।

जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईं। उन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं। शूटिंग तेज और एनर्जेटिक होती है, जो दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाती है। मुझे गाने के ऑफर हमेशा उत्साहित करते हैं। यह लंबे फॉर्मेट के अभिनय या फिल्म में एक्टिंग से अलग अनुभव देता है। अकांक्षा ने 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा। साल 2017 में वह टीवी सीरियल 'विघ्नहर्ता गणेश' में माता आदि पराशक्ति के किरदार में दिखीं। वह रियलिटी शो 'स्वयंवर : मीका दी वोटी' की विनर भी रह चुकी हैं।

वर्ष 2025 मेरे लिए बेहद शानदार रहा : काजोल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई । अभिनेत्री काजोल कोर्टरूम ड्रामा वेब सीरीज 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' के साथ फिर से वापसी कर रही हैं, जिसको लेकर उनका कहना है कि 2025 मेरे करियर को लेकर बेहद शानदार रहा है। 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' के मेकर्स ने वीडियो जारी कर इस बात की घोषणा की है कि शो का दूसरा सीजन वापस आ रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि नोयोनीका सेनगुप्ता (काजोल), कानून की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी है। सीरीज में अभिनेत्री को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उसे ऐसे फैसले लेने होंगे, जो बहुत मुश्किल और लगभग असंभव लगते हैं। साथ ही, कहानी में कुछ ऐसे चौंकाने वाले विश्वासघात (धोखे) भी होंगे, जो दर्शकों को हैरान कर देंगे। ये सब मिलकर कहानी को इतना रोमांचक बनाते हैं कि दर्शक अपनी सीट पर बने रहेंगे और उत्सुकता के साथ यह देखेंगे कि आगे क्या होता है। सीरीज में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, करियर के तौर पर ये साल मेरे लिए बेहद शानदार रहा है। मुझे कई कहानियों और अलग-अलग किरदारों को निभाने का मौका मिला है, लेकिन उन सब में नोयोनीका सेनगुप्ता का किरदार मेरे दिल के बेहद करीब है।''

काजोल ने आगे कहा, पहले सीजन में नोयोनीका एक कमजोर और संघर्षशील लड़की थी, जो अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही थी। लेकिन अब, नए सीजन में, नोयोनीका ने कठिन और प्रतिस्पर्धी कानूनी दुनिया में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मुझे नोयोनीका के किरदार को फिर से निभाने में बेहद खुशी हो रही है, क्योंकि मुझे नोयोनीका के इस बदलाव और विकास को दिखाने का मौका मिला।'

' मैं इस सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हूं, और चाहती हूं कि दर्शक इसको जरूर देखें और अपनी प्रतिक्रिया दें कि हमने क्या बनाया है। 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' एक भारतीय वेब सीरीज है, जो असल में अमेरिकी टीवी सीरीज 'द गुड वाइफ' पर आधारित है। यह शो भारत के दर्शकों के हिसाब से ढालकर बनाया गया है, लेकिन इसकी मूल कहानी और आइडिया अमेरिका के शो से लिया गया है। 'द गुड वाइफ' को सीबीएस स्टूडियो, स्कॉट फ्री प्रोडक्शंस और किंग साइज प्रोडक्शंस ने मिलकर बनाया था। शो के फॉर्मेट (स्ट्रक्चर, कहानी का तरीका, किरदारों की भूमिका) के अधिकार पैरामाउंट ग्लोबल कॉन्टेन्ट डिस्ट्रीब्यूशन नाम की कंपनी के पास है। अब इन अधिकारों को भारतीय मेकर्स को (अनुमति) दिया गया है ताकि वे उसी कहानी को भारत में अपने तरीके से बना सकें। उमेश बिस्ट के निर्देशन में बनी 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' सीरीज का निर्माण बनिजय एशिया कर रहे हैं। इसमें काजोल के अलावा जिशु सेनगुप्ता, सोनाली कुलकर्णी, शीबा चड्ढा, अली खान, कुब्रा सैत, गौरव पांडे और करणवीर शर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। 'द ट्रायल' का दूसरा सीजन 19 सितंबर, 2025 को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगा।

खुद के लिए जरूर निकालें समय : जैकलीन फर्नांडीज

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने आज की तेज-रफ्तार दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य और खुद के देखभाल के महत्व पर बात की। भोपाल में आयोजित एक इवेंट में पहुंचीं एक्ट्रेस ने बताया कि छोटी-छोटी आदतें जैसे मेडिटेशन और माइंडफुलनेस जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। जैकलीन ने कहा, आज की लाइफस्टाइल बहुत तनाव से भरी बन चुकी है। ऐसे में माइंडफुलनेस और ध्यान बहुत जरूरी है। चाहे आपको 5 मिनट, 10 मिनट या आधा घंटा मिले अपने लिए समय निकालें। यह आपके दिमाग को शांत और शरीर को स्वस्थ रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने शरीर और आत्मा के बीच गहरा जुड़ाव महसूस करती हैं। उन्होंने बताया, मेरा शरीर और आत्मा दोनों स्वस्थ और ताकत से भरपूर हैं। मैं आध्यात्मिक इंसान हूं। जैकलीन की गिनती उन हस्तियों में की जाती है जो मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करती हैं। इसके साथ ही, वह अपने फैंस को खुश रहने और तनाव दूर करने का उपाय भी देती हैं। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया था कि वह डिप्रेशन के दौर से गुजर चुकी हैं। अभिनेत्री ने बताया था कि इनसे निकलने में योग और ध्यान बेहद फायदेमंद रहे हैं।वह सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस के लिए स्वास्थ्य से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं। एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे घर पर खुद को फिट और हेल्दी रखा जा सकता है। तस्वीर में वह प्राणायाम करती नजर आईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 09-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हृदय को कोमल और मन को सरल बनाए बगैर महानता के पथ पर एक कदम भी नहीं बढाया जा सकता है। जहाँ अपने स्वार्थ को गौण करने की तैयारी हो, अपनी इच्छाओं का बलिदान करने की हिम्मत हो और विषम हालातों में भी मन की समाधि को खंडित नहीं होने देने का लक्ष्य हो वहीं पर महानता का अवतरण होता है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां बीजेएस सेलम चैप्टर के बीजेएस फाउन्डेशन द्वारा प्रतिभा स्पॉट लाइट-स्टूडेंट रिवार्ड्स एवं रिकॉग्निशन प्रोग्राम का आयोजन किया है।

साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वीश्री प्रमोदयशाश्रीजी के सान्निध्य में सकल संघ के उपस्थिति में 10वीं और 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 15 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट हेड में नवीन जैन और रेखा परमार के साथ बीजेएस के सदस्यों का सहयोग रहा।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मरुधर केसरी श्री मिश्रीमलजी म. सा. का 135वां जन्म दिवस के मौके पर अखिल भारतीय श्री मरुधर केसरी जैन युवा संघ तमिलनाडु शाखा ताम्बरम, सेल्यूर क्रोमपेट से दिनेश कटारिया, विनोद चाणोदिया, मनसुखलाल मलिक, प्यारेलाल चाणोदिया, प्रकाश पोकरना एवं सहयोगियों द्वारा श्री सन्मति गौशाला आवड़ी में गौमाताओं को हरा चारा लोड, सुखा घास लोड़ आदि का वितरण किया गया।

सनातन धर्म संगठन विद्यालय ने मनाया क्रीडा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के जवाहर नेहरू स्टेडियम में श्री सनातन धर्म संगठन अन्तर्गत संचालित विद्यालय का 104 वाँ वार्षिक क्रीड़ा दिवस 8 अगस्त को मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में तमिलनाडु सरकार के अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रवीण टाटिया रहे, जिनका पारंपरिक सम्मान अनिल दलाल ने शॉल ओढ़ाकर और स्मृतिचिह्न सुनील डागा ने प्रदान कर किया।

आगंतुकों का स्वागत एसोसिएशन के अध्यक्ष आर के झ्वर ने किया। फिर स्पोर्टस ध्वज को फहराकर चारों विद्यालय के छात्र छात्राओं ने मन मोहक छटा बिखेरते हुए वाद्य यंत्र के साथ सधे कदमों से पथ संचलन कर मंत्र मुग्ध कर दिया। तत्पश्चात ओलम्पिक टॉर्च को प्रज्ज्वलित कर शपथ ग्रहण हुआ। स्पोर्टस मिलन के शुभारंभ की घोषणा की गई।

इसी श्रृंखला में चारों विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इसके बाद विभिन्न प्रकार के स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजयी प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया तत्पश्चात चारों विद्यालय के पी.टी शिक्षक अपने-अपने विद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

खेल दिवस के सहसंयोजक पन्नालाल बिहानी ने सभी आगंतुकों के प्रति तहे दिल से कृतज्ञता ज्ञापित किया। एसोसियेशन के गणमान्य व्यक्ति केके महेश्वरी, विजय गोयल, अरुण मिमानी, विजय महेश्वरी, मोहनलाल दमानी, एस के बाहेती, मुरारीलाल संथालिया आदि लोग कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में उपस्थित रहे।

'आज उपाश्रय पक्के हैं लेकिन श्रावक कच्चे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एस एस जैन संघ स्थानक बजार रोड सैदापेट में विराजित परम पूज्य गुरुदेव श्री वीरेन्द्र मुनिजी म सा ने सुखविपाक सूत्र वाचन में कहा कि भगवान महावीर कहा कि हर श्रावक श्राविकाओं को 14 नियमों की मर्यादा एवं 3 मनोरथ का पालन करना चाहिए। आजकल धर्म के प्रति रुचि और भावना कम होती जा रही है, थोड़ा भी कुछ काम हो, शरीर अस्वस्थ हो या घर में मेहमान आ जाए तो सबसे पहले धर्म क्रिया ही छोड़ते हैं, पहले के ज़माने में स्थानक उपाश्रय कच्चे होते थे और श्रावक पक्के होते थे और आज के ज़माने में स्थानक उपाश्रय पक्के होते जा रहे हैं और श्रावक कच्चे होते जा रहे हैं। सांसारिक कार्यों में मोह ज्यादा होता हैं इसलिए चाहे बीमार हो या कोई मेहमान आए हो पर जो काम आपको जरूरी लगते हो वो करते हैं पर वास्तव में धर्म आराधना ही सच्ची जरूरत है इससे अंजान बन जाते हैं, सत्संग जाने से,

साधु संतों की वाणी सुनने से उसको शुद्ध भाव से जीवन में अमल करने से आपकी आत्मा सरल बनती हैं, इसीलिए 14 नियम, 3 मनोरथ का चिंतन करना चाहिए, पच्छखान लेना, सागारी संतारा का भी प्रतिदिन पच्छखान करना चाहिए उससे आपकी आत्मा को उत्तम गति की प्राप्ति होगी। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने रविवार को मनाने जाने वाले तीन महापुरुषों की जयंती के कार्यक्रम का विवरण दिया।

ग्यारह मास खमण की तपस्या से गूंजायमान हुआ वातावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में शुक्रवार को 11 मासखमन तप का भव्य महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा बनाना क्लब से आरंभ होकर नृत्य एवं संगीत के साथ एएमकेएम ट्रस्ट प्रांगण तक पहुंची। साथ ही राजस्थान पर्वत के मरुधर केसरी मिश्रीमलजी का जन्मोत्सव भी हर्षोल्लास से मनाया गया। प्रवचन देते हुए एएमकेएम में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने कहा कि आगम में कहा गया है कि तपस्या वही कर सकता है जो महान बुद्धि वाला हो। तपस्या कर्मों की निर्जरा का कारण है और यह सुख से नहीं, बल्कि संकल्प और साहस से होती है। जब तप की शुरुआत करें तो हिम्मत के साथ करें, और यदि किसी कारण तप पूर्ण न हो पाए तो समझ लें कि अंतराय कर्म बाधा बन रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया की लकड़ी चूल्हे में जलकर राख हो जाती है, जबकि सोना आग में तपकर चमकता है। जीवन में जलना नहीं, बल्कि सोने की तरह तपकर चमकना है। तपस्या का अर्थ केवल भूखे रहना नहीं है, बल्कि सच्चे भाव से संयम अपनाना है। समय सबके हाथ से निकल जाता है, इसलिए जीवन में धर्म और सद्भाव को अपनाना जरूरी है।

मुनिश्री ने कहा कि तपस्वियों से पाप कर्म दूर से ही टाटा, बाय-बाय करते हैं, जैसे कोरोना मरीज से लोग दूरी बनाते थे। इसलिए यदि हमें भी कर्मों से दूरी बनानी है तो

धर्म और तप को अपनाना होगा। चातुर्मास का उद्देश्य भी यही है कि हम अच्छे कर्म करें, बुरे भाव से बचें और लोभ, क्रोध, मोह से दूर रहें। इस अवसर पर 300 से अधिक बच्चों ने चंद्रकला बाल तप में भाग लिया। मुनिश्री ने कहा कि बच्चों में संस्कार और द्रव्य की मर्यादा का पालन कराना अत्यंत आवश्यक है। हमें मिट्टी का गोला बनना है, जो आग में भी मजबूत होता है; मोम का गोला नहीं, जो गर्मी में पिघल जाए। कार्यक्रम में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, महावीरचंद बोकाड़िया, सुनील खेतपालिया और अजीत गोटी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। मंच संचालन विनयचंद पावेचा ने किया।

दान देने में आनंद की अनुभूति हो तो दान सफल है : साध्वी मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाजी ने धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों के अंतर्गत चौथे लोकप्रियता गुण में दान का वर्णन करते हुए बताया कि दान देने के पांच भूषण हैं। पहला दान देते समय आनंद के आंसू आएं तो उस समय यह सोचना कि आज मेरा दिन धन्य बन गया, आज की घड़ी धन्य है जो मुझे दान देने का अवसर मिला। दूसरा रोमांचित बन जाना यानी की उसके मन में रोमांच उत्पन्न हो व प्रफुल्लित बन जाए। तीसरा भूषण है सम्मान से आदरपूर्वक दान देना, चौथा भूषण है प्रिय वचन बोलना व प्रेम पूर्वक दान देना और पांचवा भूषण है दान की अपने मन में बार-बार अनुमोदना करना। दान देने वाले व्यक्ति को लाभ लेने का अवसर नहीं मिले तो उसे वेदना होती है, दुख होता है। विनय और विवेक के बारे में बात करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि विनय सिखाया जाता है जबकि विवेक अंदर से प्रकट होता है, विनय बाहर दिखाई देता है जबकि विवेक आत्मा का विषय है। जो व्यक्ति विनयी होता है वह झुकता है, जबकि अभिमानी व्यक्ति अकड़ के ही चलता है। व्यक्ति में बुद्धि कम होने पर भी अगर विनय गुण है तो उसका कल्याण हो जाता है ।

तपस्वी, मनस्वी, यशस्वी और तेजस्वी महापुरुष थे मरुधर केसरी : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनिजी म.सा. के सानिध्य व श्री जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में शुक्रवार को श्रमण सूर्य मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी म.सा. की 135 वीं और लोकमान्य संत प्रवर्तक श्री रूपचंद्र जी म.सा. की 99 वीं जन्म जयन्ति जप तप की आराधना के साथ समारोहपूर्वक मनाई गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने एकासन, आयम्बिल, उपवास आदि तप की आराधना और 3-3 सामयिक साधना के द्वारा श्रद्धा प्रकट की। कपिल मुनि जी म.सा. ने मरुधर केसरी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनमानस के बीच मरुधर केसरी के नाम से लोकप्रिय श्री मिश्रीमल जी म. सा. उस दिव्य और भव्य महामना का नाम है जो तपस्वी, मनस्वी, यशस्वी और तेजस्वी थे।

उनका व्यक्तित्व बाह्य और आंतरिक तप के तेज से आप्लावित था वे प्रखर चिंतक और संघ समाज के हित चिंतक थे उनका यश आज भी चहुँ ओर व्याप्त है! वे जनमानस में व्याप्त अज्ञान के अन्धकार को छिन्न भिन्न करने वाले प्रकाशपुंज महामानव और जिनशासन के सजग प्रहरी थे। उन्होंने संघ और समाज की बिखरी कड़ियों को सदैव जोड़ने का अद्भुत कार्य किया। मुनिश्री ने कहा कि हृदय को कोमल और मन को सरल बनाए बगैर महानता के पथ पर एक कदम भी नहीं बढाया जा सकता है। जहाँ अपने स्वार्थ को गौण करने की तैयारी हो, अपनी इच्छाओं का बलिदान करने की हिम्मत हो और विषम हालातों में भी मन की समाधि को खंडित नहीं होने देने का लक्ष्य हो वहीं पर महानता का अवतरण होता है। ऐसी ही महानता को आत्मसात करने वाले संत शिरोमणि थे मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी म.सा.। वे सही मायने में अहिंसा के आराधक और संघ समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी आत्मकल्याण की साधना के साथ विश्व का भी मार्गदर्शन किया। उनकी दीनोद्धारक भावना के अनुरूप उनकी प्रेरणा से संचालित अनेक संस्थाएं जीव दया, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्रों में संलग्न है। उन्होंने कहा कि उनका हृदय प्राणी मात्र के प्रति करुणा से लबालब भरा हुआ था। वे सही मायने में अहिंसा भगवती के पुजारी थे। उन्होंने जीव दया के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये हैं।वे कर्मठ और सजग बनकर भक्तों को धर्म व पुण्य कर्म की प्रभावी प्रेरणा करते थे जो कि उनके दृढ मनोबल और आत्मविश्वास का परिचायक था। पूज्य श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने पूज्य प्रवर्तक श्री रूपचंद्र जी म.सा. के गुण स्मरण करते हुए कहा कि वे जिनशासन के देदीप्यमान नक्षत्र थे। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण और शरीर का कण कण परमार्थ की सेवा में समर्पित रहा यही वजह से वे जैन जैनेत्तर लोग के बीच भगवान तुल्य आदर ओर प्रतिष्ठा पाते रहे। उन्होंने सम्पूर्ण जीवन का मानवता की सेवा में बलिदान कर दिया। किसी दुःखी, पीड़ित और शोषित प्राणी को देखकर उनका हृदय करुणा से द्रवित हो उठता मुनि श्री ने कहा कि उनके सम्पर्क में आने वाले हर व्यक्ति को उनका ख़ास और प्रिय होने का अहसास होता था। उनका आशीर्वाद में उठा वरद हस्त और प्रसन्नता वात्सल्य लुटाती मुख मुद्रा भक्त जनों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं थी। उनके पास पहुँचते ही व्यक्ति अपने जीवन के दुःख दर्द को भुला देता।

लाभार्थी महावीरचंद रोशन, राकेश कोठारी परिवार का संघ की ओर से सम्मान किया गया। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इस मौके पर संघ संरक्षक सुभाषचंद रांका,सुनील खेतपालिया, पप्पूसा लूणिया, महावीरचंद कटारिया, भीकमचंद लूंकड़, राजेन्द्र कुमार बोहरा, रूपचंद खिंवसरा, महेन्द्र बैद,जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा तमिलनाडु अध्यक्ष मनीष रांका, उत्तमचंद बाघमार,प्रकाशचंद खारीवाल,नवरतनमल गांधी, पदमचंद कोठारी, शांतिलाल सिंघवी, गौतमचंद ललवानी, प्रकाशचंद सिंघवी,महावीरचंद बरमेचा, महावीर सिंघवी आदि गणमान्य व्यक्ति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

प्रभु की शरण में आने से व्यक्ति को गति मिलती है : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में विराजित डॉ. प्रतिभाश्रीजी म.सा. ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु परमात्मा जब भी फरमाते थे मीनिंग फुल फरमाते थे। समय मात्र का प्रमाद नहीं करते थे। प्रभु के चरणों में जो भी आता था वह इस संसार-सागर से तिर जाता हैं। हमें तीन चीजें चेक करना है। पॉवर- हमारे अंदर पावर है, अधिकार वहीं बात करें। बिना पॉवर की बात करेंगे तो कोई भी नहीं सुनेंगे जहाँ पर अधिकार व पावर नहीं हैं वहाँ पर बात करेंगे तो मुर्ख कहलाएगें। बिना कारण किसी को सलाह नहीं दें।

पुण्य - अधिकार भी होता है लेकिन आपकी पुण्यवाणी नहीं हैं पूर्व जन्म का पुण्य चाहिए तभी तो हमारा पावर काम करेंगे। पात्रता - योग्यता, चाहिए, क्षमता चाहिए जिसके अंदर ज्ञान तो हैं लेकिल पात्रता नहीं है। व्यक्ति अपात्र है। पॉवर तो है लेकिन अपात्रता है तो ज्ञान नहीं दे सकते है। प्रभु परमात्मा महावीर के चरणों में गौशालक, व गौतम दोनों आए थे लेकिन गौतम संस्कार वान थे.परमात्मा ने ज्ञान दोंनों को दिया गया था। लेकिन गौतम ने उस ज्ञान का उपार्जन किया था।

साध्वीश्री ने गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म. सा. और लोकमान्य संत परम पूज्य रुपचंद्रजी म.सा के जीवन के गुणों का बखान किया। उन्होनें कहा मरुधर बाबा संयम त्रिवेणी संगम थे। केसर की तरह इस जिनशासन की सुगंधित फैला दी। गुरु से ज्ञानार्जन किया और अपने जीवन का उद्धार किया।

संतों की जयंती के अवसर पर त्रिदिवसीय जन्म महोत्सव मनाया जा रहा है।

साधी ऋषिता जी म सा नें आने वाले कार्यक्रम की सूचना दी जन्म महोत्सव के अंतर्गत आज जाप से मनाया गया। शनिवार को गुरुदेव चालीसा के साथ मनाया जाएगा। सभा का संचालन संघ के सचिव सुनिल हिंगड़ ने किया।

रक्षाबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर से 60 किलोमीटर दूर मद्रास रेजिमेंट्स सेन्टर वेलिंगटन एमआरसी में जीतो की महिला इकाई की चेयरमैन रीना कोठारी के नेतृत्व में सेन्टर के आला अधिकारियों और जवानों को तिलक लगाकर राखी बांधी गई और भेंट स्वरूप मिठाई के पैकेट दिए गए। जवानों की कलाई में रक्षा की डोर राखी बांधकर भाई-बहन का रिश्ता जताया गया।

विदेशी वस्तु का उपयोग, अपने भाइयों के मुंह से निवाला छीनने के समान : कमलमुनि कलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट स्थित जैन भवन में शुक्रवार को राष्ट्रसंत श्रीकमलमुनिजी म. सा. कमलेश ने कहा कि किसी की खुशियां छीनकर, उसके पेट पर लात मार कर, उसे अनदेखा कर करके, आनंदित होना, धर्म और परमात्मा की आराधना करने वाला राक्षस और शैतान से कम नहीं है। रक्षाबंधन पूर्व संध्या पर मुनिश्री ने कहा कि आजादी दिलाने वाले शाहिद जवानों के का लक्ष्य सिर्फ आजादी प्राप्त नहीं करना था। बल्कि

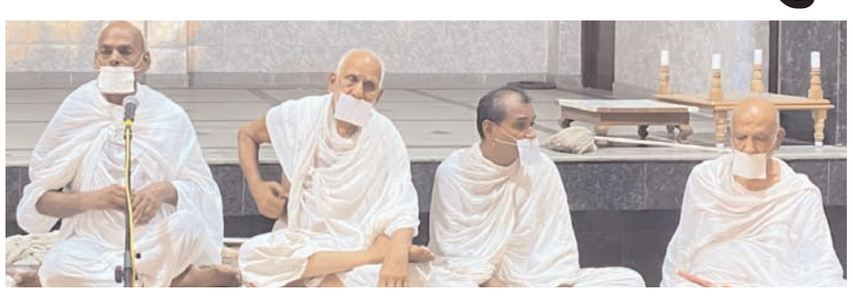

की देश को संस्कृति से आर्थिकता से समृद्ध करने लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि शहीदों ने विदेशी वस्तुओं की होली जलाई, बहिष्कार किया, उन वस्तुओं को हमारे द्वारा उपयोग लेना शहीदों के गांव पर नमक छिड़कने के समान है। वह शहीदों का अपमान ही नहीं देश के साथ भी गद्दारी कर रहे है।

मुनि कमलेश ने बताया कि विदेशी वस्तु का उपयोग करना, अपने भाइयों के मुंह से निवाला छीनना है, रोजगार को छीनना है, अपने भाइयों के पेट पर लात मारने के समान है। बेरोजगार हो जाएंगे भूखे मरते हुए अपराध जगत में प्रवेश करेंगे इसका दोषी कौन। जैन संत ने कहा कि रक्षाबंधन के पावन प्रसंग पर विदेशी राखी और विदेशी वस्तुओं का उपयोग नहीं लेने का संकल्प लेकर देश की जनता की रक्षा करने के लिए देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश में निर्मित वस्तु लेने का संकल्प लें। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली पूरे देश में स्वदेशी राखी अपनाओ स्वदेशी गिफ्ट दो अभियान प्रारंभ किया है। 9 अगस्त से 15 अगस्त रक्षाबंधन पर जवानों के बीच जेल में गौशाला में अभावग्रस्त लोगों में और वृक्ष की रक्षा करने के रूप में 18 राज्यों में मनाया जाएगा ।10 अगस्त को साहूकार पेट जैन भवन में रक्षाबंधन का पर्व समूह जोड़ के रूप में मित्रों के द्वारा मनाया जाएगा। महामंत्री डॉक्टर संजय पिचा ने संचालन किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.